ज्ञान विचार
बुरे लोगों के संगत से ज्यादा लाभदायक अकेलापन होता है।

PKL NO.KKR/184/2024-26
हिन्दी पाक्षिक राष्ट्रीय समाचार पत्र
सच्ची व स्टीक खबर, आप तक

सम्पादक : जरनैल सिंह
सह संपादिका : सृष्टि देवी
छायाकार : राजरानी

गजब हरियाणा

Contact : 91382-03233
HAR/HIN /2018/77311

WWW.GAJABHARYANA.COM ✸ 01 मई 2025 वर्ष : 8, अंक : 03 पृष्ट : 8 मूल्यः 7/- सालाना 150/- रुपये ✸ email. gajabharyananews@gmail.com

डबल इंजन की सरकार भारत रत्न डा. बीआर अंबेडकर के पद चिन्हों पर चलकर समाज के अंतिम व्यक्ति का कर रही है उत्थान : नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविदास मंदिर एवं धर्मशाला में अंबेडकर भवन का किया उद्घाटन, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने संस्था को 21 लाख रुपए देने की घोषणा की, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने संत शिरोमणि गुरु रविदास मंदिर में की पूजा अर्चना, धर्मशाला में पहुंचे एक-एक व्यक्ति की सुनी समस्या

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार संविधान निर्माता भारत रत्न डा. बीआर अंबेडकर के मार्ग और आदर्शों को अपनाकर समाज के अंतिम व्यक्ति का उत्थान कर रही है। इस डबल इंजन की सरकार ने गरीब लोगों को सशक्त बनाने, अति पिछड़े लोगों को खुशहाल बनाने, हर नागरिक को न्याय दिलवाने के लिए योजनाओं को अमलीजामा पहनाया है। इस सरकार ने वर्ष 2025 को संविधान गौरव वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया ताकि इस साल बाबा साहेब के आदर्शों और उनके द्वारा किए गए कार्यों को याद किया जा सके।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी शुक्रवार को कुरुक्षेत्र में रविदास मंदिर एवं धर्मशाला की तरफ से आयोजित डा. बीआर अंबेडकर सम्मान समारोह एवं संगोष्ठी कार्यक्रम में बोल रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविदास मंदिर एवं धर्मशाला में अंबेडकर भवन का उदघाटन किया। इसके उपरांत मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के मंदिर में प्रदेशवासियों की सुख स्मृद्धि के लिए पूजा अर्चना की। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने संस्था को 21 लाख रुपए देने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत रत्न डा. बीआर अंबेडकर के विशेष प्रयासों से बने संविधान के 75 वर्ष पूरे होने पर वर्ष 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आदेशानुसार संविधान गौरव वर्ष के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। इस साल में बाबा साहेब के आदर्शों और उनके द्वारा किए गए कार्यों को याद किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि बाबा साहेब ने अपना पूरा जीवन गरीब, अति पिछड़े लोगों का उत्थान करने के लिए समर्पित कर दिया। इस देश के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए बाबा साहेब ने पूरा जीवन संघर्ष किया, समाज में जाति पाति, छूआछात, असमानता को दूर करने के साथ-साथ हर व्यक्ति को न्याय दिलवाने का काम किया। इतना ही नहीं आजादी के आंदोलन में भी बाबा साहेब ने अपना योगदान दिया। उन्होंने अपने जीवन में आने वाली हर बड़ी बाधा को सहजता से दूर करने का काम किया। इस महान व्यक्तित्व ने खुद दुख सहन करके गरीबों को सुख देने का प्रयास किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बाबा साहेब के दिखाए मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ रहे है और समाज के अंतिम व्यक्ति को खुशहाल बनाने की योजनाओं को लागू कर रहे है। इस सरकार ने पिछले 10 सालों में आयुष्मान, चिरायु कार्ड जैसी योजनाओं को लागू करके गरीबों को सम्मान देने का काम किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाबा साहेब के आदर्शों को अपनाते हुए हर व्यक्ति को छत उपलब्ध करवाने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना को लागू किया। इस योजना के तहत हरियाणा में एक साथ 36 हजार खातों में 151 करोड़ रुपए जमा करवाए, महिलाओं को मान सम्मान देने के लिए हर घर में शौचालय बनवाया, बाबा साहेब के जीवन को हमेशा याद रखने के लिए 5 स्थानों को तीर्थों के रूप में विकसित करने की योजना तैयार की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने बाबा साहेब की नीतियों पर चलते हुए योग्य एवं होनहार युवाओं को बिना पर्ची-बिना खर्ची के 1 लाख सरकारी नौकरियां देने का काम किया। अभी हाल में ही 14 अप्रैल को बाबा साहेब की जयंती पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद यमुनानगर और हिसार में पहुंचे और प्रदेशवासियों को एयरपोर्ट और 800 मेगावाट थर्मल प्लांट की सौगात देने का काम किया।

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने भारत रत्न डा.बीआर अंबेडकर के जीवन और संघर्ष पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भारत रत्न डा. भीमराव अंबेडकर के पद चिन्हों पर चलते हुए प्रदेश के नागरिकों की 24 में से 18 घंटे चिंता कर उनकी समस्याओं का निरंतर समाधान कर रहे है। संत गुरु रविदास मंदिर एवं धर्मशाला के प्रधान श्याम लाल ने मेहमानों का स्वागत किया और संस्थान की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम के अंत में प्रधान श्याम लाल ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस कार्यक्रम के मंच का संचालन भाजपा नेता सुभाष कलसाना व राम मेहर शास्त्री ने किया। इस मौके पर भाजपा के जिला अध्यक्ष तजिन्द्र सिंह गोल्डी, जिला परिषद की अध्यक्षा कंवलजीत कौर, नगर परिषद थानेसर की अध्यक्षा माफी ढांडा, राम लाल आर्य, रविन्द्र सांगवान, पूर्व जिला अध्यक्ष सुशील राणा, मलकीत ढांडा, रामकुमार रम्बा, डा.ऋषिपाल मथाना आदि उपस्थित थे।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सरकार आतंकवादियों और पाकिस्तान को सिखाएगी सबक : डॉ. रामदास आठवले

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री डॉ. रामदास आठवले ने कहा कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सरकार पाकिस्तान को मुंह तोड़ जवाब देगी। अब आतंकवादियों और पाकिस्तान को सबक सिखाने का काम करेंगी। इस सरकार ने अहम फैसला लेते हुए जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद देश ने पाकिस्तान का पानी बंद कर दिया। इस समय पाकिस्तान के अंदरूनी हालात बहुत खराब है, वहां की सरकार को भारत के साथ अच्छा संबंध बनाकर देश के विकास के लिए कार्य करना चाहिए था, लेकिन पाकिस्तान ऐसा ना करके लगातार आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। अब पाकिस्तान को कड़ा जवाब देने का समय आ गया है।

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री डॉ. रामदास आठवले शुक्रवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सभागार में आरपीआई द्वारा आयोजित भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती समारोह में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। इससे पहले केन्द्रीय राज्यमंत्री रामदास आठवले ने भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर विधिवत रूप से कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डा.भीमराव अंबेडकर ने देश में भेदभाव को खत्म करने, जातिवाद को खत्म करने, पूरे देश को एकजुट करने और दलितों के हितों की लड़ाई लड़ी। इस देश को टूटने से बचने के लिए प्रयास किये। उन्होंने आरटीआई के पदाधिकारी से

आह्वान किया कि वह डा. भीमराव अंबेडकर के मिशन को आगे बढ़ते हुए युवाओं, महिलाओं, दिव्यांगों के लिए काम करें और गरीबों की मांगों को उठाए तथा स्वर्ण व दलित वर्ग को एक मंच पर जोडने के लिए काम करें।

उन्होंने कहा कि पहलगाम में आतंकी हमला के बाद प्रधानमंत्री विदेश दौरे को छोड़कर वापस लौट आए और गृहमंत्री अमित शाह ने कश्मीर का दौरा किया। इसके साथ ही सरकार ने अन्य दलों को अपने विश्वास में लेने के लिए बैठकें की हैं और उनसे सुझाव भी मांगे हैं। इन तमाम पहलुओं को जहन में रखकर पाकिस्तान को उसकी हरकत का जवाब दिया जाएगा। ऐसे समय पर देश की विपक्ष पार्टी को भी एकजुट होने का परिचय देना चाहिए। कश्मीर में चुनाव के दौरान आतंकवाद होने के बावजूद 60 प्रतिशत मतदान हुआ और वहां पर तिरंगा फहराया गया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाकर विकास के रास्ते खोले, जम्मू कश्मीर से धारा 370 हटाने के बाद 3 करोड़ टूरिस्ट भ्रमण के लिए पहुंचे। इससे जम्मू कश्मीर प्रगति की तरफ बढ़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वहां की सड़कों का सुधार, रेलवे का विस्तार हुआ और वहां की जनता को रोजगार के नए-नए अवसर उपलब्ध हुए। कश्मीर की जनता आतंकवाद और पाकिस्तान के साथ नहीं है, वहां की जनता पूरी तरह से देश के हित में है। इस मौके पर आरपीआई के प्रदेशाध्यक्ष रवि कुंडली, मनू सिब्बल, प्रीतम सिंह कोलेखां, प्रदेश मीडिया प्रभारी अश्वनी वालिया, सूरजभान नरवाल, नवाब नैन, संत गुरपाल दास, प्रो. डॉ. भगत सिंह रंगा, तेजपाल सहरावत,संदीप वाल्मीकि सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह के नेतृत्व से हरियाणा में हो रहा विकास

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री डॉ. रामदास आठवले ने कहा कि मुख्यमंत्री हरियाणा नायब सिंह सैनी के साथ उनके अच्छे संबंध हैं, जब हरियाणा के मुख्यमंत्री लोकसभा सांसद थे तब से वह एक साथ लोकसभा में काम कर रहे हैं। हरियाणा की सरकार मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में मजबूत है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा का विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले लोकसभा चुनाव में भी केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को विकसित भारत बनाने के लिए एक लक्ष्य लेकर चले हुए हैं। जिसको देश की जनता भली भांति समझ चुकी है और देश को आगे बढ़ाने में पूरा सहयोग कर रही है।

युवा स्वरोजगार अपनाकर दूसरे युवाओं को दें रोजगार

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री डॉ. रामदास आठवले ने कहा कि प्रधानमंत्री युवाओं के लिए स्वरोजगार की अनेक योजनाएं देश में लेकर आए हैं। आज के युवाओं को उन योजनाओं का अपने जिला सचिवालय के अधिकारियों से जानकारी लेकर और उनका लाभ प्राप्त कर खुद का काम शुरू करना चाहिए। साथ ही दूसरे युवाओं को भी रोजगार मुहैया करवाना चाहिए। बेरोजगारों के लिए मत्स्य सम्मान योजना, एमएसएमई योजना और समाज कल्याण विभाग की अनेक योजनाओं में सब्सिडी का भी प्रावधान है।

केंद्र सरकार ने आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को दिया 10 प्रतिशत आरक्षण

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री डॉ. रामदास आठवले ने कहा कि देश में आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने आरक्षण उपलब्ध करवाया है। जिस परिवार के सालाना आय 8 लाख रुपए से कम है, उसको आर्थिक रूप से कमजोर श्रेणी के तहत 10 प्रतिशत आरक्षण उपलब्ध करवाया जा रहा है जो हर वर्ग के लिए बहुत जरूरी लाभदायक कदम है।

संपादकीय........

कश्मीर में आतंकवादी हमला: देश की अखंडता पर एक सीधा प्रहार

हाल ही में कश्मीर के पलगाँव में हुए आतंकवादी हमले ने एक बार फिर देश की अखंडता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस भयानक घटना में कई निर्दोष भारतीय नागरिकों की जान गई, जो पर्यटन के उद्देश्य से कश्मीर गए थे। यह हमला केवल एक बर्बरता नहीं, बल्कि हमारी राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सद्भाव पर एक बड़ा खतरा है।

यह हमला इस बात का स्पष्ट संकेत है कि आतंकवाद अब केवल एक क्षेत्रीय या विशिष्ट समुदाय का मुद्दा नहीं रह गया है। यह हमारे समाज के हर वर्ग और नागरिक को प्रभावित कर सकता है। जब निर्दोष लोग केवल सुकून की तलाश में आते हैं और उन्हें इस प्रकार की हिंसा का सामना करना पड़ता है, तो यह हमारे देश की संरचना के लिए एक गंभीर चेतावनी है।

इस घटना से हमें यह एहसास होता है कि हमें आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर खड़ा होना होगा। देश की अखंडता और अस्थिरता को बनाए रखने के लिए सभी नागरिकों को मिलकर आतंकवाद के खिलाफ आवाज उठानी होगी। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम एकजुटता से इस चुनौती का सामना करें और यह सुनिश्चित करें कि कोई भी आतंकवादी गतिविधि हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिकों की सुरक्षा को नुकसान न पहुँचा सके।

डॉ. जरनैल सिंह रंगा समाजसेवी और सृष्टि एजुकेशनल चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष ने इस हमले की कड़ी निंदा की और शहीद नागरिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने कहा कि यह घटना हमारी आत्मा को झकझोरने के साथ-साथ एक नई चेतना का संचार भी करती है—एक ऐसी चेतना जो हम सब को इस जंग में एकजुट होकर लड़ने के लिए प्रेरित करती है।

कश्मीर में हुआ यह आतंकवादी हमला एक गंभीर चेतावनी है कि हमें अपनी एकता और अखंडता की रक्षा के लिए सतर्क रहना होगा। यह समय है कि हम सभी नागरिक एकजुट होकर इस चुनौती का सामना करें और अपने देश की अखंडता को बनाए रखें। आतंकवाद के खिलाफ हमारी सामूहिक सोच, प्रयास और संकल्प ही हमें सुरक्षित और मजबूत बनाएगा।

डॉ जरनैल सिंह रंगा, संपादक
समाजसेवक एवं विचारक

आतंकी हमले में मारे गए लोगों को दी श्रद्धांजलि

गजब हरियाणा न्यूज/रवींद्र

पिपली ।देर शाम नगर परिषद थानेसर के वार्ड नं.10 के पार्षद पंकज खन्ना के नेतृत्व में जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर आतंकियों और पाकिस्तान के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया। इसके बाद पिपली चौक से बाजार में कैंडल मार्च निकाला। समाजसेवियों और वार्ड वासियों ने कैंडल मार्च निकाल कर आतंकी हमले में मारे गए 28 लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित कर शोक संवेदना प्रकट की। इस मौके पर पंकज बजाज, विजय मेंहदीरत्ता, अंकित मंगू , सुनील, नीरज अग्रवाल, सुनीत कुमार, ब्रिज मोहन, डॉ. पाल सिंह, सुभाष श्रृंगारी, संजीव सेतिया, अंकुर तलवार, कुलदीप शर्मा आदि मौजूद रहे।

गर्मी व हीट वेव से बचाव के लिए एहतियात बरतें जिलावासी: उपायुक्त

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

करनाल। उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि गर्मी के मौसम में गर्म हवा और बढ़े हुए तापमान से लू (हीट वेव) लगने का खतरा बढ़ जाता है, खासकर धूप में घूमने वालों, खिलाड़ियों, बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों को लू लगने का डर ज्यादा रहता है। लू लगने पर उसके इलाज से बेहतर है, हम लू से बचे रहें यानी बचाव इलाज से बेहतर है। जिला प्रशासन द्वारा जनहित में लू से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की गई है, जिसका सभी पालन करते हुए स्वास्थ्य सुरक्षा बनाए रखें।

हीट वेव से बचाव के लिए अपनाएं ये उपाय

उपायुक्त उत्तम सिंह ने आमजन से आह्वान किया कि प्रशासन की ओर से जारी की गई एडवाइजरी की पालना करें और हीट वेव से बचे रहें। उन्होंने बताया कि हीट वेव से बचाव के लिए स्थानीय मौसम संबंधी खबरों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, समाचार पत्र पढ़ें। गर्मी में हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें, अपना सिर ढककर रखें, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें, पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं-भले ही प्यास न लगी हो, ओआरएस (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन), घर में बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का मांड) नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन कर तरोताजा रहें। पार्किंग के समय बच्चों को वाहनों में छोड़कर न जाएं, उन्हें लू लगने का खतरा हो सकता है, नंगे पांव बाहर न जाएं, गर्मी से राहत के लिए हाथ का पंखा अपने पास रखें, काम के बीच में थोड़ा-थोड़ा विश्राम लें, खेत खलिहान में काम कर रहे हैं तो समय-समय पर पेड़ या छाया में ही आसरा लें। गर्मी के मौसम में जंक फूड का सेवन ना करें। ताजे फल, सलाद तथा घर में बना खाना खाएं। खासतौर से दोपहर 12 बजे से सायं 3 बजे के बीच धूप में सीधे ना जाएं। यदि बच्चे को उल्टी, घबराहट अथवा तेज सिरदर्द हो, सीने में दर्द हो अथवा सांस लेने में कठिनाई हो तो चिकित्सक को दिखाएं।

उपायुक्त ने बताया कि बढ़ती गर्मी में वृद्ध एवं कमजोर व्यक्तियों की खास देखभाल करें, तेज गर्मी, खासतौर से जब वे अकेले हों तो कम से कम दिन में दो बार उनकी जांच करें। ध्यान रहे कि उनके पास फोन हो, यदि वे गर्मी से बेचैनी महसूस कर रहे हों तो उन्हें ठंडक देने का प्रयास करें, उनके शरीर को गीला रखें, उन्हें नहलाएं अथवा उनकी गर्दन तथा बगलों में गीला तौलिया रखें, उनके शरीर को ठंडक देने के साथ-साथ डॉक्टर अथवा एम्बुलेंस को बुलाएं, उन्हें अपने पास हमेशा पानी की बोतल रखने के लिए कहें।

UPSC टॉपर या जाति टॉपर?

प्रतिभा गुम, जाति और पृष्ठभूमि का बाज़ार गर्म।

देश की सबसे प्रतिष्ठित परीक्षा अब जातीय गौरव का तमाशा बन चुकी है। जैसे ही रिज़ल्ट आता है, प्रतिभा और मेहनत को धकिया कर जाति, धर्म और 'किसान की झोपड़ी' की स्क्रिप्ट सोशल मीडिया पर दौड़ने लगती है। एसी कमरों में पढ़ने वाले अब खुद को किसान का बेटा घोषित करते हैं, ताकि संघर्ष बिके। टॉपर बनने के बाद सेवा की बजाय सेल्फी और सेमिनार का मोह शुरू हो जाता है।

हर दल, हर विचारधारा, हर वर्ग अपने-अपने टॉपर को पकड़कर झंडा उठाता है — 'देखो, ये हमारा है!'

किसी को सवर्ण गौरव चाहिए, किसी को दलित चमत्कार। और इस पूरे मेले में असली हीरो — यानी मेहनत और ईमानदारी — कहीं कोने में खड़ी, अकेली, उपेक्षित रह जाती है।

UPSC अब परीक्षा नहीं, जातीय राजनीति, इमोशनल मार्केटिंग और ब्रांडिंग का अखाड़ा बनता जा रहा है। और सवाल वही — ये अफसर समाज सेवा के लिए बन रहे हैं या सोशल मीडिया के लिए?

हर साल जब संघ लोक सेवा आयोग (क्स्ट) के परिणाम आते हैं, तो देश का एक बड़ा वर्ग उत्साहित होता है — कहीं उम्मीदें टूटती हैं, कहीं सपने पूरे होते हैं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों से एक नया और खतरनाक ट्रेंड भी देखने को मिल रहा है — सफल अभ्यर्थियों की प्रतिभा और मेहनत पर चर्चा करने के बजाय, उनकी जाति, धर्म और आर्थिक पृष्ठभूमि को माइक्रोस्कोप से जांचा जा रहा है। और फिर उसी के आधार पर उनके संघर्ष की कहानी गढ़ी जाती है, सोशल मीडिया पर महिमामंडन या विवाद खड़ा किया जाता है।

एक तरफ़ सफल अभ्यर्थी अपनी मेहनत को सेलिब्रेट करना चाहते हैं, दूसरी तरफ़ समाज उन्हें एक ट्रॉफी बना देता है — या तो जातीय गौरव के नाम पर, या भावनात्मक बाज़ार के नाम पर।

जब प्रतिभा गौण हो जाए और पहचान प्राथमिक

क्या हम इतने खोखले हो गए हैं कि अब सफलता भी जाति की चश्मे से देखनी पड़ती है? एक छात्र जिसने वर्षों तक दिन-रात एक कर दिए, जो असफलताओं के बावजूद डटा रहा, जिसने निजी सुखों को छोड़ तपस्या की — उसकी कहानी अब उसकी प्रतिभा नहीं, उसकी जातीय पहचान से मापी जाएगी?

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और न्यूज़ चैनल्स अब सबसे पहले पूछते हैं यह topper किस जाति से है?'

उसके बाद आता है सवाल 'पिता क्या करते हैं?'

फिर, अगर कहीं से भी किसान, मजदूर या निम्नवर्गीय पृष्ठभूमि जुड़ जाए, तो सफलता की कहानी में %संघर्ष का मसाला% डालकर उसे और अधिक बिकाऊ बना दिया जाता है।

'किसान का बेटा' ब्रांडिंग का नया ट्रेंड

यह एक विचित्र विडंबना है कि अब बड़े-बड़े शहरों के पॉश इलाकों में एसी कमरों में पढ़ने वाले भी खुद को 'किसान का बेटा' बताने लगे हैं। परिवार में कभी पुरखों ने खेती की हो, या मामूली ज़मीन हो, तो भी उसे किसान परिवार का बेटा घोषित कर दिया जाता है।

असलियत यह है कि जिन किसानों की हालत आज भी बैंकों के कर्ज में दबी है, जिनके बच्चे आज भी टूटी हुई पाठशालाओं में पढ़ रहे हैं, वे इस 'किसान परिवार' की ब्रांडिंग का हिस्सा नहीं बन पाते।

यह नया 'संघर्ष बेचो' मॉडल दरअसल एक बड़े मध्यमवर्गीय या उच्चवर्गीय तबके का सोशल इमोशनल इंजीनियरिंग है।

सफलता का नया मकसद: सेवा या सेल्फ ब्रांडिंग?

जहां एक समय सिविल सेवा का मतलब होता था — समाज की बेहतरी के लिए समर्पित जीवन। अब इसका अर्थ बदलता दिख रहा है। अब टॉपर्स बनने के बाद तुरंत यूट्यूब चैनल खोलना, इंस्टाग्राम पर 'Ask Me Anything' सेशन करना, कोचिंग ब्रांड्स के विज्ञापनों में चमकना, किताबें लिखना और मोटिवेशनल स्पीच देना, ट्रेंड बन गया है।

इसमें कोई बुराई नहीं है कि युवा अपनी सफलता का जश्न मनाएं या दूसरों को प्रेरित करें। लेकिन सवाल तब उठता है जब सेवा का भाव पीछे छूट जाए, और सेल्फ ब्रांडिंग ही प्राथमिक एजेंडा बन जाए।

जातीय राजनीति का नया अखाड़ा: UPSC

UPSC का स्वरूप अब राजनीतिक लाभ का भी माध्यम बनता दिख रहा है। अलग-अलग राजनीतिक विचारधाराएं, मीडिया हाउस और जातीय संगठन क्स्ट टॉपर्स को अपना बताने की होड़ में लगे हैं।

कहीं 'दलित गौरव' के नाम पर प्रचार हो रहा है, तो कहीं 'सवर्ण शान' के नारे गढ़े जा रहे हैं। कोई 'ओबीसी चमत्कार' कहता है, तो कोई 'किसान पुत्री की उड़ान'।

असल में इन सबमें एक साधारण सच्चाई गायब हो जाती है — मेहनत तो मेहनत होती है, न जाति देखती है, न मजहब, न वंश।

UPSC: एकमात्र ऐसी परीक्षा जो मूल्यों की कसौटी पर कसती है

UPSC भारतीय लोकतंत्र की एक दुर्लभ उपलब्धि है — जहां किसी जाति, धर्म, वर्ग से परे जाकर व्यक्ति के ज्ञान, समझ, सोच, तर्कशक्ति और निर्णय क्षमता को परखा जाता है। यह परीक्षा बार-बार साबित करती है कि देश के अंतिम छोर से भी प्रतिभाएं निकल सकती हैं।

लेकिन जब समाज खुद इस उपलब्धि को जातीय खांचों में तोड़ने लगे, तो यह लोकतंत्र की आत्मा पर एक आघात है।

असली संघर्ष और दिखावे का फर्क

असली संघर्ष वह है जो अनकहा रह जाता है। जो ग्रामीण बैकग्राउंड से आता है, लेकिन खुद को बेचने की कोशिश नहीं करता। जो सोशल मीडिया पर अपने फोटोशूट्स और कहानी पोस्ट नहीं करता। जो अपनी सफलता को निजी संतोष समझता है, न कि व्यापारिक ब्रांड।

दूसरी ओर, जो संघर्ष को एक उत्पाद बना देता है, वही आज वायरल होता है। वही बड़ी-बड़ी कोचिंग कंपनियों के विज्ञापन में आता है। वही सोशल मीडिया स्टार बनता है।

आखिर सवाल वही — क्यों और किसके लिए?

क्या UPSC टॉपर्स बनने का मकसद अभी भी वही है — समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना, न्याय का वितरण करना, प्रशासन में ईमानदारी लाना?

या फिर अब यह एक वैकल्पिक सेलिब्रिटी करियर बन चुका है?

यह चिंतन आवश्यक है, वरना एक दिन सिविल सेवा भी पूरी तरह से एक ग्लैमर इंडस्ट्री में तब्दील हो जाएगी — जहां मूल्य नहीं, ब्रांडिंग चलेगी; जहां सेवा नहीं, सेल्फी चलेगी।

निष्कर्ष: सफलता को वर्गीकृत करने से बचें

देश को जरूरत है उन युवाओं की जो सफलता को अपने स्वार्थ से नहीं, अपने कर्तव्य से जोड़ें। जो जाति, धर्म या वर्ग से परे जाकर खुद को सिर्फ एक नागरिक के रूप में प्रस्तुत करें।

जो यह समझें कि क्स्ट परीक्षा से भी बड़ी परीक्षा आगे आने वाली है — जब प्रशासनिक पद पर बैठकर, बिना भेदभाव के, बिना प्रचार के, निष्पक्ष सेवा देनी होगी।

तभी इस देश का लोकतंत्र मजबूत रहेगा, और तब ही असली प्रतिभा का सम्मान होगा — बिना जाति, धर्म, पृष्ठभूमि के बंधन के।

डॉ. सत्यवान सौरभ,
भिवानी, हरियाणा

पहलगाम हमला:' निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाना पूर्णत: निंदनीय और अस्वीकार्य'

पहलगाम, कश्मीर में पर्यटकों की निर्मम हत्या की भारतीय मुसलमानों के कई बड़े संगठनों ने कड़ी निंदा करते हुए इस घटना की स्वतंत्र व निष्पक्ष जांच

आतंकी हमले के ख़िलाफ़ पहलगाम में कैंडल मार्च

गजब हरियाणा न्यूज/ब्यूरो

श्रीनगर। इंडियन मुस्लिम्स फॉर सेक्युलर डेमोक्रेसी (आईएमएसडी), बेबाक कलेक्टिव भारतीय मुस्लिम महिला आंदोलन (बीएमएमए), सेण्टर फॉर स्टडी ऑफ सोसाइटी एंड सेक्युलरिज़्म (सीएसएसएस), सिटिज़न्स फॉर जस्टिस एंड पीस (सीजेपी) और विज़डम फ़ाउंडेशन के साथ मिलकर 22 अप्रैल को कश्मीर घाटी के पहलगाम के निकट पर्यटकों को निशाना बनाकर की गई आतंकवादी घटना की कड़ी निंदा करते हैं, जिसमें 26 निर्दोष लोगों की जान गई और कई अन्य घायल हुए।

प्रेस को जारी एक साझा बयान में इन संगठनों ने कहा है

'हम मृतकों के परिवारजनों और मित्रों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हैं और केंद्र व राज्य सरकारों से अपील करते हैं कि वे जान गंवाने वालों के परिजनों को शीघ्र और समुचित मुआवज़ा दें और घायलों के इलाज की पूरी व्यवस्था सुनिश्चित करें।

कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रतिबंधित पाक-आधारित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) की छाया संस्था (शैडो ग्रुप) द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने इस हमले की ज़िम्मेदारी ली है।

हम उम्मीद करते हैं कि इस नृशंस हमले के दोषियों को जल्द से जल्द पकड़ा जाएगा, न्यायिक प्रक्रिया के तहत कठोर दंड दिया जाएगा।

आईएमएसडी हमेशा से यह रुख़ स्पष्ट करता आया है कि निर्दोष नागरिकों को किसी भी कारणवश निशाना बनाना पूर्णत: निंदनीय और अस्वीकार्य है। यह आतंकी हमला घाटी के पर्यटन केंद्र पहलगाम को निशाना बनाकर किया गया है, और इस तथाकथित 'सामान्य स्थिति की वापसी' के दावों पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

इस तरह की जनसंहार की घटना सुरक्षा एजेंसियों की भारी चूक की ओर इशारा करती है। हम इसकी स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच, ज़िम्मेदारी तय करने और

आवश्यक कार्रवाई की मांग करते हैं।

इस दुखद समय में घाटी के आम कश्मीरी मुसलमानों ने जिस तरह से इंसानियत दिखाई है, वह दिल को छू लेने वाली है। 23 अप्रैल को कश्मीर घाटी में पूर्ण बंद देखा गया—दुकानदार, व्यापारी, ट्रांसपोर्टर्स सबने स्वेच्छा से भागीदारी की। मस्जिदों के दरवाज़े घबराए पर्यटकों के लिए खोले गए और इमामों ने इस हमले को इंसानियत पर हमला बताया। कश्मीरी अख़बारों ने अपने संपादकीयों और पहले पन्नों पर स्पष्ट किया है कि यह दिन घाटी के लिए शोक का दिन है। आईएमएसडी सभी मीडिया संस्थानों, विशेष रूप से टीवी चैनलों से अपील करता है कि वे इस घटना की वस्तुनिष्ठ और संयमित रिपोर्टिंग करें, और किसी भी प्रकार के भड़काऊ रवैये से बचें। हम सभी भारतीयों से, चाहे उनका धर्म कुछ भी हो, अपील करते हैं कि घाटी के आम मुसलमानों द्वारा प्रदर्शित सांप्रदायिक सौहार्द की इस मिसाल से प्रेरणा लें।

किस विटामिन की कमी से नींद में पैर की नस चढ़ जाती है ?

जीके मतलब अलग अलग सब्जेक्ट और फैक्ट्स की समझ और जागरूकता से है जो खास क्षेत्र के लिए नहीं हैं। इसमें इतिहास, भूगोल, विज्ञान, साहित्य, समसामयिक घटनाक्रम और बहुत कुछ समेत सब्जेक्ट्स शामिल हैं। अच्छा सामान्य ज्ञान होना जरूरी है क्योंकि यह लोगों को दुनिया की अच्छी तरह से समझ रखने, सार्थक बातचीत में इन्वॉल्व होने और सही फैसला लेने में मदद देता है।

नौकरी की बात आए और जनरल नॉलेज की बात न हो ऐसा होना बड़ा मुश्किल है। आज हम आपको ऐसी ही जनरल नॉलेज से रूबरू कराने जा रहे हैं जो आपकी नौकरी में हेल्प कर सकती है। हेल्प ऐसे कर सकती है कि जनरल नॉलेज के सवाल आपसे किसी भी फॉर्म में पूछे जा सकते हैं। इसलिए आपकी जनरल नॉलेज जितनी अच्छी होगी आपके नौकरी पाने के चांसेस उतने ही ज्यादा होंगे। तो हम यहां आपको जीके के सवाल और उनके जवाब बता रहे हैं।

सवाल 1 – किस विटामिन की कमी से इंसान चिड़चिड़ा होने लगता है?

जवाब 1 – एवरलीवेल (everlywell.com) की वेबसाइट में छपी रिपोर्ट के अनुसार, चिड़चिड़ेपन के कारणों में विटामिन की कमी, हार्मोनल असंतुलन, या जीवनशैली से जुड़े कारक (जैसे बढ़ता तनाव) शामिल हो सकते हैं। विटामिन Bv (थायमिन) और B{ की गंभीर कमी के लक्षणों में चिड़चिड़ापन भी हो सकता है। हालांकि, यह समस्या शिशुओं में अधिक आम है और अमेरिका के वयस्कों में B{ की गंभीर कमी दुर्लभ मानी जाती है।

सवाल 2 – बताएं, आखिर शरीर का कौन-सा अंग मौत के बाद भी बढ़ता रहता है?

जवाब 2 – न्यूज मीटर (newsmeter.in) की वेबसाइट पर छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, एक अध्ययन के अनुसार, मृत्यु के बाद बाल और नाखूनों के बढ़ने का मिथक एक जैविक प्रक्रिया पर आधारित है जो मृत्यु के बाद हो सकती है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन द्वारा प्रकाशित इस अध्ययन में कहा गया है कि मृत्यु के बाद शरीर में पानी की कमी और सूखने की प्रक्रिया से त्वचा में सिकुड़न हो सकती है। मैपल्स और कई त्वचा विशेषज्ञों के अनुसार, इस सिकुड़न से बाल और नाखूनों के आसपास की त्वचा पीछे हट जाती है, जिससे बाल और नाखून अधिक लंबे दिखाई देते हैं। यह एक प्रकार का दृष्टि भ्रम है, जहां सिकुड़ी हुई त्वचा के विपरीत बाल और नाखून अधिक प्रमुख दिखाई देते हैं। हालांकि, वास्तविकता यह है कि बाल और नाखूनों की वृद्धि के लिए जटिल हार्मोनल संतुलन की आवश्यकता होती है, जो मृत्यु के बाद संभव नहीं होता।

सवाल 3 – वो कौन सी आदतें हैं, जो चेहरे को बूढ़ा बनाती हैं?

जवाब 3 – क्लीवलैंड क्लिनिक (clevelandclinic.org) की एक रिपोर्ट की मानें तो, शराब, कम नींद और तनाव की वजह से चेहरा बूढ़ा होने लगता है।

सवाल 4 – किस विटामिन की कमी से होंठ फटने लगते हैं?

जवाब 4 – दरअसल, शरीर में फोलेट (विटामिन B~), राइबोफ्लेविन (विटामिन Bw), विटामिन B{ और Bv2 की कमी से होंठ रूखे और फटने लगते हैं।

सवाल 5 – किस विटामिन की कमी से नींद में पैर की नस चढ़ जाती है?

जवाब 5 – विटामिन Bv2 की कमी हाथों या पैरों में 'सुई चुभने' जैसी झुनझुनी का कारण बन सकती है। यह लक्षण इसलिए होता है क्योंकि यह विटामिन हमारे तंत्रिका तंत्र (नर्वस सिस्टम) में अहम भूमिका निभाता है। इसकी कमी से नसों के संचालन में समस्या या तंत्रिका क्षति (नर्व डैमेज) हो सकती है। यह वजह हो सकती है कि कुछ लोगों की सोते समय पैर की नस चढ़ जाती है।

बेगम पुरा: शिरोमणि सतगुरु रविदास जी का प्रिय नगर

शब्द

बेगम पुरा शहर कौ नांउ, दुखू अंदोह नहीं तिहिं ठांउ।
नां तसवीस खिराजु न मालु, खउफु न खता न तरसु जवालु॥
अब मोहि खूद वतन गह पाई, ऊंहा खैरि सदा मेरे भाई।
काइमु दाइमु सदा पातसाही, दोम न सेम एक सो आही॥
आबादानु सदा मसहूर, ऊँहा गनी बसहि मामूर।
तिउ तिउ सैल करहि जिउ भावै, महरम महल न कौ अटकावै।
कहि रैदास खलास चमारा, जो हम सहरी सु मीत हमारा॥

शिरोमणि सतगुरु रविदास जी, भारतीय गुरु/ संत/सूफी परंपरा के एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं, जिन्होंने अपने विचारों और रचनाओं के माध्यम से समाज में फैले भेदभाव और अज्ञानता के खिलाफ आवाज उठाई। उनका पद 'बेगम पुरा' इस बात का प्रमाण है कि एक साधारण स्थान भी कैसे प्रेम, भाईचारा, और सांस्कृतिक समृद्धि का प्रतीक बन सकता है। इस लेख में हम उनके इस पद का विश्लेषण करेंगे और समझेंगे कि बेगम पुरा का क्या महत्व है।

बेगम पुरा का गुणगान

शिरोमणि सतगुरु रविदास जी अपने इस पद में बेगम पुरा को एक ऐसी जगह बताते हैं जहां दुख, दर्द और चिंता का कोई स्थान नहीं है। 'दुखू अंदोह नहीं तिहिं ठांउ' के माध्यम से उन्होंने स्पष्ट किया है कि इस नगर में शांति और खुशहाली का वास है। उनके शब्दों में छिपा हुआ यह संदेश हमें यह याद दिलाता है कि हमें अपने चारों ओर के वातावरण को सकारात्मक बनाना चाहिए।

नैतिकता और आचरण

शिरोमणि सतगुरु रविदास जी इस पद के माध्यम से यह भी इंगित करते हैं कि बेगम पुरा में तसवीर, माल, खौफ और गलतियों का कोई स्थान नहीं है। यह नैतिकता और उचित आचरण का प्रतीक है। 'नां तसवीस खिराजु न मालु' से स्पष्ट होता है कि यहां भौतिकता से अधिक महत्वपूर्ण मानवता और संबंध हैं। यह विचार हमें यह सिखाता है कि असली समृद्धि केवल भौतिक संपत्ति में नहीं बल्कि मनुष्य के गुणों में होती है।

परिवार और देश से प्रेम

पद में शिरोमणि सतगुरु रविदास जी ने यह भी कहा है कि उन्होंने अपने वतन को पाकर सुख अनुभव किया है। 'अब मोहि खूद वतन गह पाई' यह दर्शाता है कि वे अपनी जड़ों से जुड़ने के लिए कितने उत्सुक रहे हैं। किसी भी व्यक्ति के लिए उसका वतन और उसके लोग सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। उनका यह संदेश हमें यह सिखाता है कि हमें हमेशा अपनी जड़ों को याद रखना चाहिए और वहां लौटकर अपने रिश्तों को मजबूत बनाना चाहिए।

सदा का शांति और समृद्धि

शिरोमणि सतगुरु रविदास जी के पद में उन्होंने यह भी कहा है कि बेगम पुरा हमेशा आबाद रहेगा – 'आबादानु सदा मसहूर'। यह विचार हमें यह सिखाता है कि यदि हम प्रेम और सौहार्द्र के साथ एक समाज का निर्माण करें, तो वह हमेशा प्रगति करेगा। यहां परिष्कार और चिंता की आवश्यकता नहीं है; बल्कि एक दूसरे के प्रति सम्मान और सद्भावना से ही शांति बनी रहती है।

शिरोमणि सतगुरु रविदास जी का पद 'बेगम पुरा' न केवल एक स्थान का वर्णन है, बल्कि यह मानवता, प्रेम, और सहयोग का प्रतीक है। हमें इस संदेश को अपने जीवन में उतारना चाहिए और समाज में एक दूसरे के प्रति सद्भावना और सहयोग का भाव विकसित करना चाहिए। हम जो भी करें, उस में गहराई और सच्चाई होनी चाहिए, ताकि हम अपने समाज को एक ऐसा स्थान बना सकें, जहां सब लोग खुशहाल और समृद्ध रह सकें। इस तरह, बेगम पुरा केवल एक नाम नहीं, बल्कि एक आदर्श समाज का रूप है।

डॉ जरनैल सिंह रंगा , संपादक

दूसरी राष्ट्रीय लोक अदालत 10 मई 2025 को: सीजेएम कीर्ति वशिष्ठ

गजब हरियाणा न्यूज/ दीक्षित

जगाधरी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम सुश्री कीर्ति वशिष्ठ ने बताया कि दूसरी राष्ट्रीय लोक अदालत 10 मई 2025 को शनिवार के दिन आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में आपराधिक मामले, धारा-138 के तहत एनआई एक्ट के मामले, बैंक रिकवरी केस, एमएसीटी मामले, वैवाहिक विवाद मामले, श्रम विवाद मामले, भूमि अधिग्रहण मामले, बिजली और पानी से संबंधित मामले (गैर शमन योग्य मामलों को छोड़कर) वेतन और भत्ते तथा पुनः परीक्षण लाभ से संबंधित सेवा मामले, और राजस्व व अन्य सहायक मामले जो कि सुलझाने योग्य हैं इस अदालत में लिए जाएंगे। सीजेएम ने बताया कि आपसी सहमति से हल हो सकने वाले मामलों में राष्ट्रीय लोक अदालत बहुत ही कारगर सिद्ध हो रही हैं और राष्ट्रीय लोक अदालत में सुनाए गए फैसले की भी उतनी ही अहमियत है जितनी सामान्य अदालत में सुनाए गए फैसले की होती है। उन्होंने यह भी बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में सुनाए गए फैसले के खिलाफ अपील दायर नहीं की जा सकती। राष्ट्रीय लोक अदालत में सस्ता और सुलभ न्याय मिलता है। राष्ट्रीय लोक अदालतों के माध्यम से लोगों का बिना समय व पैसा गवाएं केसों का समाधान किया जाता है। राष्ट्रीय लोक अदालतों में न तो किसी पक्ष की हार होती है और न ही जीत बल्कि दोनों पक्षों की आपसी सहमति से विवादों का समाधान करवाया जाता है। कानूनी सहायता के लिए नालसा के टोल फ्री नंबर-15100 पर सम्पर्क कर सकते है।

डीटीपी की टीम ने राजस्व संपदा शाहबाद में लगभग 1.25 एकड़ में पनप रही एक अवैध कॉलोनी में किए गए निर्माण को किया नष्ट

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । जिला नगर योजनाकार की टीम ने उपायुक्त के आदेशानुसार शाहबाद में राजस्व संपदा शाहबाद के गांव पट्टी कांकरा में लगभग 1.25 एकड़ में पनप रही एक अवैध कॉलोनी को जिला प्रशासन की मदद से तोड़-फोड़ की कार्रवाई अमल में लाई गई। जिला नगर योजनाकार अधिकारी विक्रम कुमार ने जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि राजस्व संपदा शाहबाद के गांव पट्टी कांकरा में लगभग 1.25 एकड़ में पनप रही एक अवैध कॉलोनी में उपायुक्त के आदेशानुसार प्रशासन के सहयोग से तोडफ़ोड़ की कार्रवाई अमल में लाई गई है।

डीटीपी विक्रम कुमार ने कहा कि उपायुक्त के आदेशानुसार डयूटी मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में पुलिस बल के साथ डीटीपी की टीम ने शाहबाद में राजस्व संपदा शाहबाद के गांव पट्टी कांकरा में लगभग 1.25 एकड़ में पनप रही एक अवैध कॉलोनी में कच्ची सडक़ों, डीपीसी व कंट्रोल एरिया में एक अवैध निर्माण को पीले पंजे से हटाया गया।

उन्होंने कहा कि डीटीपी विभाग के पास राजस्व संपदा शाहबाद के गांव पट्टी कांकरा में लगभग 1.25 एकड़ में एक अवैध कॉलोनी के पनपने का मामला आया था, जिसके उपरांत विभाग द्वारा भूस्वामी और प्रॉपर्टी डीलरों को एचडीआर एक्ट 1975 की धाराओं के तहत नोटिस जारी कर जरूरी अनुमति लेने के आदेश दिए गए थे। परंतु भूस्वामी और प्रॉपर्टी डीलरों ना तो अवैध कालोनियों में किए जा रहें निर्माण को रोका और ना ही विभाग से अनुमति प्राप्त की। इस पर कार्रवाई करते हुए विभाग द्वारा इन अवैध कालोनियों में निर्माण को नष्ट करने का काम किया गया है।

उन्होंने लोगों को सचेत करते हुए कहा कि सस्ते प्लाटों के चक्कर में प्रॉपर्टी डीलर के बहकावे में आकर प्लाट ना खरीदें और ना ही किसी प्रकार का निर्माण कार्य करे। इतना ही नहीं जमीन की खरीद करने से पहले डीटीपी कार्यालय से कॉलोनी की वैधता और अवैधता की जानकारी प्राप्त कर लें। सभी तहसीलदार और नायब तहसीलदार भी रजिस्ट्री करने से पहले सरकार द्वारा जारी हिदायतों की पालना करें। यदि कोई व्यक्ति अवैध कालोनियों में कोई प्लॉट खरीदता है तो उसके विरुद्ध भी डीटीपी कार्यालय द्वारा कार्रवाई अमल में लाई जाएगी और जिसमें 50 हजार का जुर्माना व 3 साल की सजा का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि ग्रुप हाउसिंग स्कीम में दीनदयाल हाउसिंग स्कीम व अफोर्डेबल ग्रुप हाउसिंग स्कीम के तहत 5 एकड़ भूमि पर लाइसेंस प्रदान किया जाता है, जिसमें आवेदन करके कॉलोनी काटने की जरूरी अनुमति प्राप्त की जा सकती है।

अमृतबाणी शब्द–9

16 अप्रैल के अंक का शेष.....

तुम चंदन हम इरंड बापुरे संगि तुमारे बासा ॥

अमृतबाणी श्री गुरु रविदास महाराज जी की(व्याख्या सहित)

नोट:- साहिबे कमाल जगत पितामह, संत शिरोमणी सतगुरु रविदास महाराज जी की पावन पवित्र अमृतबाणी शब्द व्याख्या सहित प्रकाशित करना शुरु किया है। कृप्या अपने सुझाव व्हाट्सएप न.9138203233 पर दें।

मूल शब्द:-

तुम चंदन हम इरंड बापुरे संगि तुमारे बासा ।।

नीच रूख ते ऊच भए है गंध सुगंध निवासा ॥1 ॥

माधउ सतसंगति सरनि तुम्हारी ॥ हम अउगन तुम्ह उपकारी ॥1 ॥ रहाउ ॥

तुम मखतूल सुपेद सपीअल हम बपुरे जस कीरा ।।

सतसंगति मिलि रहीऐ माधउ जैसे मधुप मखीरा ॥2 ॥

जाती ओछा पाती ओछा ओछा जनमु हमारा ॥

राजा राम की सेव न कीन्ही कहि रविदास चमारा ॥3 ॥

तुम मखतूल सुपेद सपीअल हम बपुरे जस कीरा ।। सतसंगति मिलि रहीऐ माधउ जैसे मधुप मखीरा ॥2 ॥

शब्दार्थ :-

मखतूल – रेशम (जिससे वस्त्र बनाए जाते हैं)।

सपेद – श्वेत, सफैद।

बपुरे – अभागे, दीन–हीन।

जस – जैसे।

कीरा – कीड़ा।

मधुप – मधु–मक्खियाँ।

मखीरा – शहद का छत्ता, मधु–मक्खियां फूलों इत्यादि से रस चूसकर शहद इसमें भरती हैं।

अर्थ :- हे प्रभू ! आप रेशम के समान श्वेत–पीले हो, जिससे रेशमी वस्त्र बनते हैं और फिर रेशम के कीड़े ही उन वस्त्रों को काट देते हैं। हम सांसारिक जीव भी कीड़ों के समान निकंमे हैं। हे प्रभू! हम पर दया करें, जिस प्रकार मधु–मक्खियां मिलजुल कर छत्ता बनांती है, अर्थात् अपने मालिक के हुक्म में रहती है। हम भी आपकी संगति में मिलजुल कर रहें, सत्संगति में जाएँ ताकि हम नीच–पापीओं को ऊँचा उठने का अवसर प्राप्त हो सके।

जाती ओछा पाती ओछा ओछा जनमु हमारा ॥ राजा राम की सेव न कीन्ही कहि रविदास चमारा ॥3 ॥

शब्दार्थ :-

जाती – जाति, ऊँची–नीची जातिओं में जन्मा, कुल–गोत्र, भिन्न – भेद आदि।

ओछा – नीच, घटीया।

पाती – इज्जत, मान–सम्मान।

राजा राम – सर्वव्यापक, परमात्मा, कण – कण में रमने वाला।

सेव – सेवा।

कीनी – करनी।

अर्थ :- सतगुरू रविदास महाराज जी कहते हैं कि परमात्मा को भुले हुए जीव का जीवन नीच है, क्योंकि जीव ने मनुष्य जन्म को पाकर परमात्मा (राम) को पाया नहीं ।

व्याख्या:- सतगुरू रविदास महाराज जी का यह शब्द आसा वाणी में उच्चारण किया गया है। इस शब्द में गुरू जी परमात्मा को संबोधित करते हुए कहते हैं कि हे प्रभु! आप तो चंदन के समान है परन्तु हम सांसारिक जीव इरिंड के समान नीच हैं, अवगुणों से भरे पड़े हैं। परन्तु इरिंड का पौधा चंदन के समीप रहता है और चंदन के जैसी ही खुशबू देता है और नीच समझा जाने वाला श्रेष्ठ बन जाता है। इस प्रकार प्रभु, हम भी आप की संगत में आकर आपके जैसे हो गए हैं। जो प्राणी इस संसार में आ कर परमात्मा का नाम लेता है, संत जनों की संगत में जाता है, वही श्रेष्ठ है।

हे परमात्मा ! आपकी शरण ही सतसंगति है। अब अवगुणों से भरपूर है। आप परोपकारी हो, जीवों पर अपनी दया–दृष्टि रखते हैं। जिस जीव पर भगवान की अपार दया होती है उसे ही सत्संग में जाने का अवसर मिलता है।

हे प्रभु! आप रेशम के समान श्वेत–पीले हो, जिससे रेशमी वस्त्र बनते हैं और फिर रेशम के कीड़े ही उन वस्त्रों को काट देते हैं। हम सांसारिक जीव भी कीड़ों के समान निकंमे हैं। हे प्रभु! हम पर दया करें, जिस प्रकार मधु मक्खियां मिलजुल कर छत्ता बनाती है, अर्थात् अपने मालिक के हुक्म में रहती हैं। हम भी आपकी संगति में मिलजुल कर रहें, सत्संगति में जाएँ ताकि हम नीच–पापीओं को ऊँचा उठने का अवसर प्राप्त हो सके।

सतगुरू रविदास महाराज जी कहते हैं कि परमात्मा को भूले हुए जीव का जीवन नीच है, क्योंकि जीव ने मनुष्य जन्म को पाकर परमात्मा (राम) को पाया नहीं ।

भाव–अर्थ :- इस शब्द में सतगुरू रविदास महाराज जी ने संगत के महत्व को दर्शाया है। सत्संगति के माध्यम से मनुष्य सर्व–श्रेष्ठ पद को प्राप्त कर लेता है। परमात्मा की भक्ति से विहीन मानव जाति की जाति–पाति, जन्म और कर्म नीच से भी नीच हैं। **शिक्षा:– सत्सगति के प्रभाव से मनुष्य सर्व–श्रेष्ठ पदवी को प्राप्त करता है।**

त्याग की मूर्त माता रमाई

एक रोज मुझे एक पत्र पढ़ने को मिला जो बाबा साहेब डॉ.भीम राव आंबेडकर जी ने अपनी पत्नी रमाबाई को तब लिखा था जब वे लंदन में थे। इस पत्र ने जैसे प्रेम के प्रति सोच को जमीन दे दी हो! दरअसल, प्रेम के असली अर्थ मुझे राष्ट्र निर्माता बाबा साहेब के पत्र में देखने को मिले। पत्र को पढ़ते हुए मेरी आँखें नम हो गईं। बाबा साहेब का पत्र मानो शब्द–दर–शब्द प्रेम को प्रभाषित कर रहा था।

माता रमाबाई जी के प्रति उनकी भावनात्मक समझ बाबा साहेब को बिल्कुल अलग स्थापित करती है। राष्ट्र निर्माता बाबा साहेब और माता रमाबाई के प्रेम में एक–दूसरे के प्रति समर्पण की भावना, सच्चा प्रेम, एक दूसरों को समझना हर कदम पर चाहे दुख हो या खुशी हमेशा एक दूसरे की ताकत बनकर खड़े रहना यही सच्चे प्रेम की छवि को दर्शाता है

पत्र पढ़कर यह बात और अधिक उभरकर सामने आती है कि बाबासाहेब को बाबासाहेब बनाने में सबसे बड़ा योगदान माता रमाबाई जी का हैं। जिस तरह दीया और बाती एक साथ जलकर रोशनी देते हैं उसी तरह से माता रमाबाई और बाबा साहेब ने अपने निजी दुख–दर्द भूल कर हम सभी के अधिकारों, न्याय और स्वाभिमान के लिए अपना सब कुछ बलिदान कर दिया ताकि हम लोग इस मनुवादी समाज में अपना सिर उठा के जी सकें और अपने हक के लिए लड़ सके।

जो लोग प्रेम को लेकर जिज्ञासु हैं कि यह रिश्तों में कैसे उतारा जाए, मैं उन लोगों से कहना चाहता हूँ कि वह बाबा साहेब के इस पत्र को अवश्य पढ़ें। बाबा साहेब और माता रमाबाई के प्रेम को शब्दों में बयाँ कर नहीं सकते हैं। इसे केवल मन द्वारा समझा जा सकता है। उनके प्रेम, त्याग और बलिदान को जितना शुक्रिया करें उतना ही कम है।

तो आइये पढ़ते हैं बाबासाहेब द्वारा माता रमाबाई जी को लिखा उनका यह पत्र।

बाबा साहब का रमा बाई को लंदन से पत्र

लंदन

30 दिसंबर 1930

प्रिय रामू,

तू कैसी है? यशवंत कैसा है? क्या मुझे याद करता है? उसका बहुत ध्यान रख रमा! हमारे चार बच्चे हमें छोड़ गए अब यशवंत ही तेरे मातृत्व का आधार है। उसका ध्यान हमें रखना ही होगा। पढ़ाना होगा। विकसित करना होगा। खूब बड़ा करना होगा। उसे निमोनिया की बीमारी है।

मेरे सामने बहुत बड़े उलझे गणित हैं। सामाजिक पहेलियाँ हैं। मनुष्य की धार्मिक गुलामी का, आर्थिक और सामाजिक असमानता के कारणों की परख करना है। गोलमेज़ परिषद की अपनी भूमिका पर मैं विचार करता हूँ और मेरी आँखों के सामने देश के सारे पीड़ितों का संसार बना रहता है। दुखों के पहाड़ के नीचे इन लोगों को हज़ारों वर्षों से गाड़ा गया है। उनको उस पहाड़ के नीचे से निकालने के मार्ग की तलाश कर रहा हूँ। ऐसे समय में मुझे मेरे लक्ष्य से विचलित करने वाला कुछ भी होता है तो मेरा मन सुलग जाता है। ऐसी ही सुलगन से भरकर मैंने यशवंत को निर्दयतापूर्वक मारा था।

उसे मारो मत! मासूम है वह! उसे क्या समझता है? व्याकुल होकर तूने ऐसा कहा था। और यशवंत को गोद में भर लिया था। पर रमा मैं निर्दयी नहीं हूँ। मैं क्रांति से बाँधा गया हूँ। आग से लड़ रहा हूँ। अग्नि से लड़ते–लड़ते मैं खुद अग्नि बन गया हूँ। इसी अग्नि की चिंगारियाँ मुझे पता ही नहीं चलता कि कब तुझे और हमारे यशवंत को झुलसाने लगती हैं। रमा! मेरी शुष्कता को ध्यान में रख। यही तेरी चिंता का एकमात्र कारण है।

तू ग़रीब की संतान है. तूने मायके में भी दुख झेला। ग़रीबी से लिथड़ी रही। वहाँ भी तू भर पेट खाना न खा सकी। वहाँ भी तू काम करती रही और मेरे संसार में भी तुझे काम में ही लगना पड़ा, झिजना पड़ा। तू त्यागी है, स्वाभिमानी है। सूबेदार की बहु जैसे ही रही। किसी की भी दया पर जीना तुझे रुचा ही नहीं। रुचता ही नहीं। देना तू अपने मायके से सीखकर आई। लेना तूने सीखा ही नहीं। इसलिए रमा तेरे स्वाभिमान पर मुझे गर्व होता है।

पोयबाबाड़ी के घर में मैं एक बार उदास होकर बैठा हुआ था। घर की समस्या से मैं बदहवास हो गया था। उस वक़्त तूने मुझे धैर्य प्रदान किया। बोली, 'मैं हूँ न संभालने के लिए। घर की परेशानियों को दूर करूँगी। घर के दुखों को आपकी राह में अवरोध बनने नहीं दूँगी। मैं ग़रीब की बेटी हूँ। परेशानियों के साथ जीने की आदत है। आप चिंता न करें, मन को कमजोर न करें।

संसार का काँटों भरा मुकुट जान में जान रहने तक उतारकर नहीं रखना चाहिए।

रामू! कभी–कभी लगता है कि यदि तू मेरे जीवन में नहीं आती तो क्या होता। संसार केवल सुखों के लिए है– ऐसा माननेवाली स्त्री यदि मुझे मिली होती तो वह कब का मुझे छोड़कर जा चुकी होती। मुंबई जैसी जगह में रहकर आधा पेट रहकर उपले बेचने जाना या फिर गोबर बीनकर उपले थापना भला किसे पसंद आता? वकील की पत्नी कपड़े सिलती रही। अपने फटे हुए संसार को थिगड़े लगाना भला किसे पसंद है? पर तूने ये सारी परेशानियाँ उठाई, पति के संसार को पूरे सामर्थ्य के साथ आगे बढ़ाया।

मेरे पति को अच्छे वेतन की नौकरी मिली, अब हमारे सारे दर्द दूर होंगे, इस खुशी में ही मैंने तुझे ये दो लकड़ियों की पेटी, इतना ही अनाज, इतना ही तेल–नमक और आटा और इन सबके बाद हम सबकी देखभाल करते हुए गुज़ारा करना है– ऐसा बोला था। तूने ज़रा भी ना–नुकूर किए सारा कुछ संभाला। रामू! मेरी उपस्थिति में और मेरे पीछे जो तूने किया वह कोई और कर सके, ऐसा सामर्थ्य किसी में नहीं है।

रामू! तेरे जैसी जीवनसंगिनी मुझे मिली इसलिए मुझे शक्ति मिलती रही। मेरे सपनों को पंख मिले। मेरी उड़ान निर्भय हुई. मन दृढ़ हुआ। मन बहुत दिनों से भर भर रहा था।

ऐसा कई बार लगा कि तेरे साथ आमने सामने बात करना चाहिए। पर दौड़–भाग, लिखना–पढ़ना, आना–जाना, भेंट–मुलाक़ात में से समय निकाल ही नहीं पाया। मन की बातें मन में ही छुपाकर रखना पड़ा। मन भर–भर आया पर तेरे सामने कुछ कह नहीं सका।

आज शांतिपूर्ण समय मिला और सारे विचार एकमेक हो रहे हैं। मन बेचैन हुआ। इसलिए बुझे हुए मन को मना रहा हूँ। मेरे मन के सारे परिसर में तू ही समाई हुई है। तेरे कष्ट याद आ रहे हैं। तेरी बातें याद आ रही हैं। तेरी बेचैनी याद आ रही है। तेरी सारी घुटन याद आई और जैसे मेरी सांसें ख़त्म होने लगीं, इसलिए क़लम हाथ में लेकर मन को मना रहा हूँ।

रामू! सच्ची कहता हूँ तू मेरी चिंता करना छोड़ दे। तेरे त्याग और तेरी झेली हुई तकलीफ़ों का बल मेरा संबल है। भारत का ही नहीं परंतु इस गोलमेज़ परिषद के कारण सारे विश्व के शोषितों की शक्ति मुझे बल प्रदान कर रही है। तू अब अपनी चिंता कर।

तू बहुत घुटन में रही है रामू! मुझ पर तेरे कभी न मिटनेवाले उपकार हैं। तू झिजती रही, तू कमजोर होती रही, तू गलती रही, जलती रही, तड़पती रही और मुझे खड़ा किया। तू बीमारी से तंग आ चुकी है। स्वयं के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना चाहिए इसकी तूने चिंता ही नहीं की। तुझे अब अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना ही होगा। यशवंत को माँ की और मुझे तेरे साथ की ज़रूरत है। और क्या बताऊँ?

मेरी चिंता मत कर, यह मैंने कितनी बार कहा तुझसे पर तू सुनती ही नहीं। मैं परिषद के समाप्त होते ही आऊँगा।

सब मंगल हो.

तुम्हारा

भीमराव

जैसा प्रेम बाबा साहेब और माता रमाबाई जी के बीच था वह अनुकरणीय है, प्रेम का प्रतीक है। बाबा साहेब और माता रमाबाई दोनों ही त्याग के राही रहे लेकिन वह एक–दूजे का किस कद्र सच्चे मन से मान–सम्मान करते थे वह इस खत के जरिये समझा जा सकता है। प्रेम में दिया जाता है, बल्कि माँगने के संकल्प को मान्यता नहीं है। त्याग के बिना प्रेम खोखला होता है या दिखावे पर ही टिका होता है। बाबा साहेब और रमाबाई के मध्य रिश्तों में त्याग और स्नेह का अनूठा संगम है। ऐसा ही कुछ रिश्ता सावित्रीबाई फुले और ज्योतिबा फुले का था। बाबा साहेब ज्योतिबा फुले के दर्शन व् संघर्ष का बहुत आदर करते थे। फुले दंपति के रिश्तों में प्रेम का विस्तार जैसे कि बाबा साहेब के जीवन से आ जुड़ा हो। पति पत्नी कैसे प्रेमपूर्वक रहें, इसका इशारा बाबा साहेब करते हुए कहते हैं– पति–पत्नी का रिश्ता सबसे करीबी दोस्त का होना चाहिए।

इस पत्र के जरिए हमें बहुत कुछ सीखने को मिलता है। ये पत्र हमारे लिए प्रेरणा का प्रतीक है।

लेकिन क्या सही मायने में लोग बाबा साहब के विचारों और माता रमाबाई के त्याग और संघर्ष को समझते हैं और अपने जीवन अनुसरण कर रहें हैं? यह प्रश्न हम सभी के सामने है जिसका उत्तर हमें इमानदारी से देना होगा।

डॉ जरनैल सिंह रंगा, संपादक

अमृतवाणी

शिरोमणि सतगुरु रविदास जिओ की

सब पर हरि तुम्हारी आसा ।।
मन क्रम वचन कहे रविदासा ।।

जय गुरुदेव जी

व्याख्याः श्री गुरू रविदास महाराज जी पवित्र अमृतवाणी में फरमान करतें हुए कहते हैं कि हे प्रभु जी ! हर समय मेरे मन में आप जी से मिलने की इच्छा होती है मेरा मन क्रम और वचन यही कहते हैं ।

धन गुरुदेव जी

राजकुमार से बुद्ध और ज्ञान की खोज

एक बार गौतम बुद्ध वैशाली नगरी में धर्म प्रचार के लिए जा रहे थे। जब वे नगरी के बीचो-बिच से गुजर रहे थे तब उन्होंने देखा की कुछ सैनिक एक लड़की का पीछा करे रहे है तभी वह डरी हुई लड़की एक कुवें के पास जाकर खड़ी रह गई और वह हाफ रही थी और प्यासी भी थी।

तभी बुद्ध ने उस बालिका को अपने पास बुलाया और कहा की वह कुवें से पानी निकाले और स्वयं भी पिए और उन्हें भी पिलाये इतनी देर में वह सैनिक भी वहा पहुँच गए बुद्ध ने उन्हें हाथ के संकेत से रुकने के लिए कहा।

बुद्ध की बात सुनकर लड़की ने कहा, 'महाराज में एक अछूत लड़की हूँ और मेरे कुवें से पानी निकाल ने पर जल दूषित हो जाएगा' तभी बुद्ध ने उससे फिर कहा बालिका बहोत जोर की प्यास लगी है पहले तुम पानी पिलावो।

तभी कुछ देर बाद वैशाली नगरी के राजा भी आ गए फिर उन्होंने बुद्ध को नमन किया बादमे सोने के बर्तन में केवड़े और गुलाब का सुगंधित पानी पिने के लिए दिया पर गौतम बुद्ध ने उसे पिने से मना कर दिया।

बुद्ध ने एक बार फिर बालिका से अपनी बात दोहराई इस बार बालिका ने साहस के साथ कुवें से पानी निकाला और स्वयम भी पीया और गौतम बुद्ध को भी दिया और पानी पिने के बाद बुद्ध ने बालिका से उसके भय का कारण पूंछा।

तब उस बालिका ने बताया मुझे सयोंग से राजा के दरबार में गाने का अवसर मिला था और राजा ने मेरा गीत सुन मुझे अपनी गले की माला पुरस्कार सरूप दी लेकिन उन्हें किसी ने बताया की, 'में एक अछूत लड़की हूँ और यह जानते ही राजाने मुझे अपने सैनिक को मुझे जेल में डालने के लिए बोल दिया।'

में किसी तरह उन सैनिकों से बचकर यहाँ तक पहुँच गइ और आप मिल गए। इस पर बुद्ध ने कहा की, सुनो राजन में चाहता हूँ की आप मेरी इस शब्द को हमेशा याद रखे, 'कोई भी मनुष्य की पहचान उसके धर्म और जाती से नहीं बल्कि उसके स्वभाव या उसके अच्छे काम से होती है।'

जिस बालिका के मधुर कंठ से निकले मधुर गीत का आपने आनंद उठाया, उसे पुस्कार दिया और जिसके कार्य इतने अच्छे हों वह अछूत हो नहीं सकती और उस बालिका के साथ नीची सोच और छोटे कार्य करके अछूत होने का परिचय तो आपने दिया है।

इसीलिए मेरे नजरों में यह बालिका नहीं बल्कि आप अछूत है तभी राजा बुद्ध के सामने शर्मिंदा होने के अलावा और कर भी क्या सकते है। उन्होंने बुद्ध से शमा मांगी और वह से चले गए।

सीखः

इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है की कोई भी इंसान अपने कार्यों और कर्मों से बड़ा बनता है बल्कि अपने धर्म या जाती से नहीं।

मृत्यु बोध

एक बड़ी प्रसिद्ध सूफी कथा है। सम्राट सोलोमन सुबह—सुबह सोकर उठा ही था कि उसके एक वजीर ने घबड़ाए हुए भीतर प्रवेश किया। वह इतना घबड़ाया था, सुबह—सुबह की ठंडी हवा थी, शीतल मौसम था चारों तरफ, लेकिन वजीर पसीने से लथपथ था। सोलोमन ने पूछा, क्या हुआ? बिना पूछे एकदम भीतर चले आए और इतने घबड़ाए हो, बात क्या है? उसने कहा, बस, ज्यादा समय खोने को मेरे पास नहीं है। आपका तेज से तेज घोड़ा दे दें। रात सपने में मौत मुझे दिखायी पड़ी है। और मौत ने कहा, तैयार रहना, कल शाम मैं आती हूं। सोलोमन ने पूछा, तेज घोड़े का क्या करोगे? उसने कहा कि मैं भागू, यहां से तो भागू। इस जगह रुकना अब खतरे से खाली नहीं है। तो मैं दमिश्क चला जाना चाहता हूं। सैकड़ों मील दूर। तेज से तेज घोड़ा दे दें, बातों में समय खराब न करें, मेरे पास समय नहीं है। बच गया, लौट आऊंगा।

सोलोमन के पास जो तेज से तेज घोड़ा था, दे दिया गया। सोलोमन बड़ा हैरान हुआ। सोलोमन बड़े बुद्धिमान लोगों में एक था। उसने आंख बंद की, उसने मृत्यु का स्मरण किया। मौत प्रगट हुई। उसने पूछा, ये भी क्या तरीके हैं? उस गरीब वजीर को क्यों घबड़ा दिया? मारना हो मारो, बाकी पहले से आने का यह कौन सा नया हिसाब निकाला? मरते सभी हैं। मौत किसी को खबर तो नहीं देती। इसीलिए तो लोग मजे से जीते हैं और मजे से मर जाते हैं। मौत खबर दे, तो जीना मुश्किल हो जाए। यह कौन सी बात निकाली! यह कौन सा ढंग निकाला!

मौत ने कहा, मैं खुद मुसीबत में थी। इस आदमी को दमिश्क में होना चाहिए शाम तक, और यह यहीं है। सैकड़ों मील का फासला है। मैं खुद बेचैनी में थी कि यह होगा कैसे? दमिश्क में इसे मुझे लेना है आज शाम। इसीलिए चौंकाया उसे। कहां है वह आदमी? सोलोमन ने कहा कि वह गया दमिश्क की तरफ।

कहते हैं, सांझ जब वजीर पहुंचा दमिश्क, बड़ा निश्चिंत था। सूरज ढलता था, उसने एक बगीचे में घोड़ा बांधा, घोड़े की पीठ थपथपायी कि शाबाश, सच में ही तू सोलोमन का घोड़ा है, ले आया सैकड़ों मील दूर!

तभी उसके कंधे पर कोई हाथ पड़ा, उसने कहा, तुम्हीं धन्यवाद मत दो, धन्यवाद मुझे देना चाहिए। पीछे लौटा तो देखा मौत खड़ी थी। घबड़ा गया। उसने कहा, घबड़ाओ मत, घोड़ा निश्चित ही तेज है। मैं खुद ही परेशान थी कि इंतजाम यही है, खबर मेरे पास यही आयी है कि दमिश्क में सांझ तुम्हें सूरज ढलने तक लेना है। मैं खुद ड़री थी कि अगर तुम भागे न उस गांव से, तो तुम दमिश्क पहुंचोगे कैसे? मगर घोड़ा ठीक समय पर ठीक जगह ले आया। यहीं तुम्हें मरना है।

तुम कहीं से भी जाओ, कैसे भी जाओ; गरीब की तरह जाओ, अमीर की तरह जाओ; फकीर की तरह जाओ, बादशाह की तरह जाओ, सब मरघट पर पहुंच जाते हैं। सभी रास्ते वहा ले जाते हैं। लोग कहते हैं, सभी रास्ते रोम ले जाते हैं, पता नहीं। सभी रास्ते मरघट जरूर ले जाते हैं। रोम भी एक तरह का मरघट है, बड़ा पुराना, प्राचीन खंड़हरों के सिवाय कुछ भी नहीं, वहीं ले जाते हैं।

बुद्ध कहते हैं, 'अंधकार में डूबे हो और दीपक की खोज नहीं करते!'

किसकी प्रतीक्षा कर रहे हो, मौत के अतिरिक्त कोई भी नहीं आएगा? किन सपनों में खोए हो?

इसे हम समझें। जीवन को हमने देखा नहीं, हमने बड़े सपनों की बारात सजायी है। हम किसी दुल्हन की प्रतीक्षा कर रहे हैं। विवाह रचाने की बड़ी योजना बना रखी है। हम खूब—खूब कल्पना किए बैठे हैं—ऐसा हो, ऐसा हो, ऐसा हो। इसकी वजह से हम देख नहीं पाते कि कैसा है! तुम्हारा रोमांस, तुम्हारी कल्पनाओं का जाल सत्य को प्रगट नहीं होने देता।

आंख खाली करो, जरा सतेज होकर देखो, जरा सपनों को किनारे हटाकर देखो। वही देखो, जो है। तो तुम्हें पैदा होते बच्चे में मरता हुआ आदमी दिखायी पड़ेगा। तो तुम्हें सुंदरतम देह के भीतर अत्यंत कुरूपता छिपी हुई दिखायी पड़ेगी। तो तुम्हें जवान और युवा के भीतर बुढ़ापा कदम बढाता हुआ मालूम होगा। जो गहरे देखेगा, वह जीवन में मौत को देख लेगा।

ओशो एस धम्मो सनंतनो
भाग-6, प्रवचन-5

मूर्ति पर माला और विचारों पर ताला

नीले झंडे, गमछे, पंडाली भाषण, डीजे का शोरगुल, रैलियों में भड़कीले नारे और हुड़दंग में बदलती जा रही है विचारों के महामानव अंबेडकर की जयंती।

बाबासाहेब ने अपनी जयंती मनाने के नाम पर सिर्फ़ जयकारे लगाने से बार बार मना किया था। यदि आज बाबासाहब होते तो उनकी जयंती समारोह के इस विकृत स्वरूप को देखकर हमसे ही लड़ते।

वह कहते थे कि मेरे नाम के सिर्फ़ जयकारे लगाने से कुछ हासिल नहीं होगा। यदि मुझे समझना हो तो मेरी किताबों में जाना और समाज की ख़ुशहाली के लिए बताए मार्ग पर चलना।

लेकिन साल में एक बार देश भर में उनकी जयंती के अवसर पर सरकार व समाज में जो दिखाई दे रहा है वह चिंताजनक है इस पर विचार किया जाना ज़रूरी है।

जयंती के अवसर पर जिस बैंगनी नीले रंग के झंडे, दुपट्टे, पगड़ी , शर्ट, साड़ी आदि से पाट दिया जाता है दरअसल यह रंग बाबासाहब की विचारधारा का है ही नहीं। अंध भक्ति का आलम यह है कि कई लोग नंगे बदन अपने शरीर को ही नीले रंग से पोतकर प्रदर्शन करते हैं। नीली साड़ी और नीली पगड़ी, कितना बेहूदा लगता है।

तेज़ गर्मी में डामर की सड़कों पर रैलियां निकालना, तेज़ डीजे, भड़कीले नारे, गीत, डांस करना और नारे लगाना। ये सब दृश्य देखकर अन्य समुदाय के लोग भला कैसे बाबासाहेब और उनके अनुयाइयों के प्रति श्रद्धाभाव रखेंगे? वे यह देखकर यही कहते हैं, यह तो भीमटो की रैली हैं। हमने अपनी हरकतों से बाबासाहब को अपमानित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

रैली के नाम पर जितनी चंदा उगाही की जाती है वह अंबेडकर विचारधारा के प्रसार प्रचार के अलावा अन्य सभी गतिविधियों में ख़र्च की जाती है। फिर साल भर हम सो जाते हैं और अगले साल जयंती के एक दिन पहले फिर इसी तरह धूम धड़ाके करते हैं।

दरअसल हमने वैचारिक महापुरुष बाबासाहब की जयंती मनाने के वे सभी टोटके और नुस्ख़े अपना लिए हैं जो दूसरे संप्रदाय के लोग अक्सर शोभायात्राओं में सड़कों पर धूम धड़ाके करते हैं क्योंकि यह आसान तरीक़ा है।

एक और बात। कुछ पैसों वाले अफ़सर दूसरों के साथ तेज गर्मी में रैली में जाने मेंज समझते हैं इसलिए वे अपना अलग प्रोग्राम करते हैं। वे मिलकर शहर की एक पॉश रोड पर महँगा टी शर्ट पहनकर सुबह सुबह थोड़ी देर के लिए 'रन फोर अम्बेडकर' का जलसा करते हैं और साल भर... ?

आजकल दूसरों की देखादेखी एक और टोटका शुरू कर दिया है वह है सड़क पर टेबल पर प्लास्टिक की गिलासों में मीठा पानी पिलाना और उस कचरे को सड़क पर फैलाना।

दरअसल विरोधी यही चाहते हैं कि अंबेडकर समाज के लोग इन्हीं फ़िज़ूल बातों में उलझे रहे ताकि विचारधारा को भूल जाए, इतिहास, संस्कृति व विचारधारा मर जाए। और किसी समाज को मिटाने का यह सबसे आसान तरीक़ा है।

जबकि तथागत बुद्ध, संत कबीर, सतगुरु रविदास, फुले और बाबासाहेब जैसे महापुरुषों की विचारधारा के प्रचार प्रसार का काम सालभर किया जाना वाला होता है और वह बड़ा मुश्किल होता है लेकिन उसके नतीजे भी बहुत सुखद होते हैं।

मेरा समाज के प्रबुद्ध वर्ग से आग्रह है कि हमें विचारना होगा कि बाबासाहब की विचारधारा से परे बेरोजगारों युवाओ की भीड़ को सही मार्गदर्शन कैसे करें ? क्योंकि जयंती समारोह में बड़े अफ़सरों की संतानें तो कतई शामिल होती नहीं है और हर जगह इन युवाओं को ही आगे किया जाता है। यह बहुत बड़ी चिंता की बात है। समय बड़ा विकट आ रहा है समाज की युवा ऊर्जा का सदुपयोग किया जाए. उन्हें बाबासाहेब की विचारधारा से अच्छी तरह वाक़िब कराया जाए और समाज में ख़ुशहाली की ओर क़दम बढ़ाया जाए।

डॉ. एम एल परिहार, पाली,
जयपुर 9414242059

'संत शिरोमणी' की उपाधि से नवाजे गए एडवोकेट स्वामी ज्ञान नाथ जी

गजब हरियाणा न्यूज/राहुल

अम्बाला । 'दिव्य ज्ञान रत्न' श्री.श्री.1008 महामंडलेश्वर एडवोकेट स्वामी ज्ञाननाथ गद्दीनशीन चेयरमैन, निराकारी जागृति मिशन एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, संत सुरक्षा मिशन और चेयरमैन, संत संवारनाथ चैरिटेबल ट्रस्ट बाहरी कुरुक्षेत्र का जन्म अम्बाला जिला के उपमंडल नारायणगढ़ हरियाणा के गांव बधौली में पूजनीय पिता श्री केशो राम जी और पूजनीय माता श्री लाजवंती जी के घर हुआ। स्वामी ज्ञाननाथ जी दिव्य ज्ञान, सारस्वत साधना, अध्यात्म विद्या कला, दुखहर्ता, परम सनेही,सादगी भरे व्यवहार और मिलनसार रवैये से राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक अलग छवि कायम चुके हैं।

हाल ही में स्वामी ज्ञाननाथ महाराज जी को काशी हिंदी विद्यापीठ वाराणसी उत्तर प्रदेश ने अध्यात्म मे संतमत की सबसे सर्वोच्चतम और प्रतिष्ठित 'संत शिरोमणि की उपाधि' से नवाजा भी नवाजा गया। दिव्य ज्ञान रत्न महामंडलेश्वर एडवोकेट स्वामी ज्ञान नाथ जी महाराज को ' संत शिरोमणी' की उपाधि (भगवान चित्रगुप्त अखाड़ा) जुल्हेदी नजदीक राधा कुंड (वृंदावन) मथुरा के पावन प्रांगण में आयोजित राज्य स्तरीय अधिवेशन और विशेष मानद समारोह के दौरान मिली, जिसमे विभिन्न राजयों के प्रतिष्ठित शख्सियतों को संत शिरोमणी, डाक्टर, विद्या वाचस्पति और अन्य सम्मान पत्र देकर विभूषित किया गया। इस शुभ अवसर पर परमपूजनीय आचार्य डाक्टर स्वामी धर्मेन्द्र गिरी जी महाराज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की और दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परमपूजनीय डाक्टर तारासुत मनुश्री सिद्धनाथ जी महाराज ने की। काशी हिन्दी विद्या पीठ वाराणसी के माननीय कुल अधिपति सुखमंगल सिंह मंगल, कुलपति डॉ संभाजी राजा राम बाविस्कर, उप कुलपति डाक्टर तारासुत मनुश्री सिद्धनाथ जी महाराज , संरक्षक प्रकाश कुमार वास्तव, डॉ विवेक प्रधान, सचिव उत्तर प्रदेश, चित्रगुप्त पीठ के पीठाधीश्वर, श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर डॉ

सच्चिदानंद जी महाराज, श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर डाक्टर मनुजानंद सिद्धनाथ जी महाराज, डाक्टर जीवन ऋषि, अध्यक्ष, सनातन सुरक्षा मिशन, गाजियाबाद, श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर योगेश्वर गिरी जी महाराज, मोदी नगर गाजियाबाद, श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर राजेसा त्रिवैणी जी महाराज अमर विहास, संत शिरोमणी श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर अंतराष्ट्रीय साध्वी गीतांजली वैष्णव जी महाराज वृंदावन, श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर पूर्णिमा योगेश्वर गिरि जी महाराज मोदी नगर गाजियाबाद, श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर योगानंद जी महाराज, श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर सुरेशानंद, चित्रगुप्त अखाड़ा वृंदावन के कर कमलों द्वारा और निराकारी जागृति मिशन के उपाध्यक्ष महात्मा जगमाल सिंह गोलपुरा, समाज सेवी विजय चौधरी, समाज सेवी प्रकाश कुमार श्रीवास्तव और अन्य गणमान्य संत महापुरुषों की गरिमामयी उपस्थिति मे सुदीर्घ हिंदी सेवा, सारस्वत साधना, अध्यात्म विद्या कला के क्षेत्र मे महत्वपूर्ण उपलब्धियां, शैक्षिक प्रदेयों, महनीय शोधकार्यों, सत्यम–शिवम–सुंदरम भारतीय संस्कृति और धर्म प्रचार–प्रसार, सामाजिक सेवा कार्य, कानूनी और नैतिक शिक्षा के क्षेत्र मे जरुरतमंद बच्चों को शिक्षा और अन्य सहयोग, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठा के आधार पर अकादमिक परिषद की अनुशंसा पर विस्तार से विशेष चर्चा के उपरांत परपरमश्रद्धेय 'दिव्य ज्ञान रत्न'श्री.श्री.1008 महामंडलेश्वर एडवोकेट स्वामी ज्ञान नाथ जी महाराज, गद्दीनशीन चेयरमैन, निराकारी जागृति मिशन एंव राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, संत सुरक्षा मिशन भारत को काशी हिन्दी विद्यापीठ वाराणसी उत्तर प्रदेश ने अध्यात्म की सर्वोच्चतम उपलब्धि 'संत शिरोमणि ' की उपाधि से नवाजा, सुखद जीवन और उज्जवल भविष्य की कामना की। महामंडलेश्वर एडवोकेट स्वामी ज्ञान नाथ जी महाराज ने दसवीं तक की शिक्षा अपने पैतृक गांव बधौली से प्राप्त करने के बाद ग्रेजुएशन और वकालत की डिग्री पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ से हासिल की। लगभग 22 वर्ष पी.जी.आई. चंडीगढ मे सर्विस के उपरांत वलंटरी रिटायर्मेंट लेकर ब्रह्मज्ञान, निज आत्म स्वरूप, अपने असली परिचय को जानने पहचानने और पलभर मे खुली आंखों से प्रत्यक्ष मे परमात्मा का दर्शन करने की परा विद्या, भारतीय संस्कृति और अच्छे संस्कारों को जन–जन तक पंहुचाने और अन्य समाज सेवा के कार्यो मे सारा जीवन लगा दिया। संत शिरोमणि की उपाधि के इलावा हिमाचल प्रदेश रैणुका से गायत्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। स्वामी जी को सृष्टि एजुकेशनल ट्रस्ट(रजि.) गजब हरियाणा समाचार पत्र कुरुक्षेत्र ने दिव्य ज्ञान रत्न की उपाधि और कबीर सम्मान–2023 से विभूषित किया। पी.जी.आई. चंडीगढ मे हिन्दी पखवाड़ा के दौरान हिन्दी पढ़ने–लिखने और बोलने मे प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। वर्तमान मे महामंडलेश्वर एडवोकेट स्वामी ज्ञान नाथ बार काउंसिल आफ इंडिया और बार एसोसिएशन अंबाला तथा नारायणगढ के सक्रिय सदस्य है। स्वामी जी ने अपने वक्तव्य मे काशी हिन्दी विद्यापीठ वाराणसी उत्तर प्रदेश के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि उनके जीवन का लक्ष्य काशी हिन्दी विद्यापीठ के निर्देश अनुसार विभिन्न राज्यों मे गुरुकुलों के माध्यम से जरुरतमंद बच्चों को योग साधना, अक्षर ज्ञान की शिक्षा और अध्यात्मिक ज्ञान की दीक्षा, भारतीय संस्कृति और संस्कार के प्रति जागरूक करना और जीवन मे उत्थान के लिए हर क्षेत्र मे विकास के लिए प्रेरित करना और मार्ग दर्शन करना है। अंबाला का विशेष उल्लेख करते हुए महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञान नाथ ने कहा कि इस मुकाम तक पहुंचने के लिए सारा श्रेय मेरे माता–पिता का अथक प्रयास, स्कूल, कालेज और यूनिवर्सिटी मे मेरे परमपूजनीय शिक्षक साहबान का सही मार्गदर्शन और विशेषरूप से मेरे हृदय के सम्राट परमपूजनीय सतगुरुदेव प्रियतम नाथ और गुरुमाता त्रिवैणी नाथ जी महाराज, सतगुरु शहंशाह लक्ष्मण सिंह जी महाराज, परमपूजनीय शंकराचार्य महंत श्री जय कृष्ण नाथ जी महाराज, काशी हिन्दी विद्यापीठ के उप कुलपति परमश्रद्धेय डाक्टर तारासुत मनुश्री सिद्धनाथ जी महाराज, डेरा सचखंड बल्लां के वर्तमान गद्दीनशीन महान तपस्वी सतगुरुदेव निरंजन दास जी महाराज, परमपूजनीय शहीद स्वामी रामानंद जी महाराज, स्वामी वीरसिंह हितकारी जी महाराज बुलंदशहर, कपालमोचन के महान सतगुरुदेव रामदयाल जी महाराज, संत बैसाखी दास मैमोरियल ट्रस्ट तंदवाली के महान सतगुरुदेव फकीर दास जी महाराज,संत सुरक्षा मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष महामंडलेश्वर संत राजा नाथ जी महाराज, भक्ति धाम चंडीगढ के राष्ट्रीय अध्यक्ष मंहत सूरजनाथ जी महाराज के सही मार्गदर्शन, प्ररेणा और शुभ आशीष आशिर्वाद को जाता है।

गजब हरियाणा समाचार पत्र के छटे स्थापना दिवस के मौके पर स्वामी ज्ञाननाथ जी को' दिव्य ज्ञान रत्न 'की उपाधि से नवाजा गया

ज्ञात रहे गजब हरियाणा समाचार पत्र के छटे स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में आयोजन सम्मान समारोह में 'दिव्य ज्ञान रत्न' की उपाधि से नवाजा गया था। यह उपाधि 22 जून 2024 को डॉ अम्बेडकर भवन कुरुक्षेत्र में डेरा स्वामी जगतगिरि आश्रम पठानकोट के गद्दी नशीन श्री 108 स्वामी गुरदीप गिरी महाराज जी, हरियाणा सरकार में अतिरिक्त मुख्यसचिव रहे और गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी हिसार और ताऊ देवीलाल यूनिवर्सिटी सिरसा के वाइस चांसलर रहे डॉ राजरूप फुलिया (आईएएस से.नि), डॉ रामभक्त लांगयान (आईएएस से.नि) एवं प्रधान डॉ अम्बेडकर भवन कुरुक्षेत्र, डिप्टी एक्साईज एवं आबकारी कराधान आयुक्त श्री एन.आर फुले, पूर्व बैंक अधिकारी बनारसी दास, कुरुक्षेत्र ट्रैफिक पुलिस एसएचओ गुरनाम सिंह, कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी से प्रो. डॉ आनंद कुमार, मिडिया वेल्फेयर क्लब कुरुक्षेत्र के प्रधान बाबूराम तुषार, गजब हरियाणा के संपादक डॉ जरनैल रंगा द्वारा दी गई।

सरकारी स्कूल में होनहार छात्रों का सम्मान समारोह आयोजित

कार्यक्रमों से प्रेरित होकर डॉ अंबेडकर के सपनो को पूरा करेंगे छात्र: डीपीआरओ

छात्रों में छुपी हुई हैं प्रतिभाएं: डॉ नरेंद्र सिंह

गजब हरियाणा न्यूज/रवींद्र

पिपली। डॉ अम्बेडकर समाज कल्याण सभा बजीदपुर द्वारा बाबा साहब डॉ भीम राव अंबेडकर की 135वीं जयंती के उपलक्ष्य में गांव के राजकीय मिडल स्कूल में एक भव्य समारोह का आयोजन किया। इस समारोह में पहली से आठवीं कक्षा के उन छात्रों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपनी कक्षा में और सरकार की विशेष स्कीमें एनएमएमएस और बुनियाद में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला सूचना, भाषा एवं जनसंपर्क अधिकारी डॉ नरेंद्र सिंह, विशिष्ट अतिथि भारत संचार निगम के पूर्व एसडीओ लखमी चन्द रंगा, और मिडिया वेल्फेयर क्लब के प्रधान बाबूराम तुषार उपस्थित हुए। समारोह की शुरुआत जम्मू–कश्मीर के पहलगांव में हुए दुखद हादसे में 28 पर्यटकों की मौत पर 2 मिनट

का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके पश्चात, डॉ अंबेडकर को पुष्पांजलि भेंट की गई और छात्रों ने देशभक्ति गीतों और कविताओं के माध्यम से प्रस्तुति दी।

मुख्य अतिथि डॉ नरेंद्र सिंह ने इस अवसर पर कहा, 'छात्रों में छिपी हुई प्रतिभाएं अद्भुत हैं। आमतौर पर हम देखते हैं कि छोटे बच्चों में उत्साह की कमी होती है, लेकिन उनके शिक्षकों के प्रयासों से इन बच्चों में आत्मविश्वास और हौंसला देखने को मिला है। ये बच्चे आगे चलकर डॉ अम्बेडकर जैसे महान व्यक्तित्व के सपनों को पूरा करेंगे।' उन्होंने कहा कि इस प्रकार के समारोह छात्रों के उत्साह को बढ़ाते हैं और शिक्षा के प्रति उनकी रुचि को मजबूत करते हैं। विशिष्ट अतिथि बाबूराम तुषार ने सभा की पहल की सराहना की और कहा कि इस तरह के कार्यक्रम छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करते हैं और समाज में जागरूकता बढ़ाते हैं।

डॉ जरनैल रंगा ने बताया कि वह पिछले 25 वर्षों से होनहार छात्रों को सम्मानित करने का कार्य कर रहे हैं और यह डॉ अम्बेडकर समाज कल्याण सभा का पहला सम्मान समारोह है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि सभा जल्द ही गांव में एक लाइब्रेरी और कंप्यूटर सेंटर की शुरुआत करेगी।

गांव के सरपंच विक्रम सिंह, स्कूल की मुख्याध्यापिका राजबाई सभरवाल और प्राईमरी के इंचार्ज संजीव सैनी ने सभी अतिथियों और सभा का आभार व्यक्त किया और समारोह के अंत में अतिथियों को डॉ अंबेडकर का चित्र भेंट किए। छात्रों को लेखन सामग्री और मेडल देकर सम्मानित किया गया।

इस मौके पर सभा के संरक्षक हुक्म चन्द, उप प्रधान नछतर सिंह, सचिव सुनील दत्त, कोषाध्यक्ष बीर सिंह, सदस्य जितेंद्र कुमार, दयाल सिंह, वीरेंद्र रॉय, स्कूल स्टाफ सीमा रानी, अरविंद कुमार, मलकीत सिंह, सुनीता शर्मा, संजीव कुमार, विक्रम जीत, जय कुमार, महावीर सिंह सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

टैक्सी ड्राइवर की बेटी ने किया यूपीएससी क्लियर पिता को सुनने पड़े थे ताने

गजब हरियाणा न्यूज

सोनीपत । हरियाणा के कई युवाओं ने यूपीएससी सिविल सर्विस एग्जाम क्लियर करके अपना परचम लहराया है। उन्हीं उम्मीदवारों में से एक प्रिया सिवाच हैं, जो कि सोनीपत जिले के गोहाना के घडवाल गांव की रहने वाली हैं। प्रिया सिवाच ने यूपीएससी के एग्जाम में 219वीं रैंक हासिल करके अपने परिवार के साथ-साथ पूरे गांव का नाम रोशन कर दिया। बता दें कि उनके पिता संजय सिवाच एक टैक्सी ड्राइवर का काम करते हैं। यूपीएससी का रिजल्ट आने के बाद जब अगले दिन प्रिया दिल्ली से अपने गांव पहुंची, तो गांव के लोगों ने फूल-मालाओं के साथ उनका शानदार स्वागत किया।

पिता ने टैक्सी चलाकर उठाया पढ़ाई का खर्चा

प्रिया के पिता संजय सिवाच ने बताया कि वह अपनी बेटी की पढ़ाई का खर्चा उठाने के लिए खेती करते हैं। लेकिन उससे बेटी की पढ़ाई का खर्च पूरा नहीं हो पा रहा था, जिसके बाद उन्होंने बचे हुए समय में टैक्सी चलाना शुरू कर दिया। संजय ने बताया कि उनकी बेटी प्रिया ने बचपन से ही सपना देखा था कि वह बड़ी होकर अफसर बनेगी। प्रिया ने अपने पिता से वादा किया था कि वह उन्हें निराश नहीं करेंगी। जिसके बाद उन्होंने कड़ी मेहनत के साथ पढ़ाई की और अपने पिता का सम्मान बढ़ाते हुए यूपीएससी क्लियर किया।

चौथे अटेम्प्ट में क्लियर किया यूपीएससी

बता दें कि प्रिया सिवाच सोनीपत की रहने वाली हैं, जिसके चलते उन्होंने अपनी शुरुआती पढ़ाई गोहाना से की। इसके बाद हायर एजुकेशन के लिए वह दिल्ली चली गई। प्रिया ने बताया कि दिल्ली में जाकर सिविल सर्विस की तैयारी करना उनके लिए एक सपने की तरह था। प्रिया के इस मुश्किल सफर में उनके पिता हमेशा उनके साथ थे। दिल्ली जैसे शहर में पढ़ाई का खर्च उठाने के लिए उनके पिता ने बहुत परेशानियों का सामना किया। बता दें कि प्रिया ने अपने शुरुआती तीन अटेम्प्ट में कामयाब नहीं हो पाई थी, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और पढ़ाई पर फोकस किया। इसके बाद प्रिया ने चौथे अटेम्प्ट में यूपीएससी क्लियर करते हुए 219वां रैंक हासिल किया।

पिता को सुनने पड़े ताने

संजय सिवाच ने जब प्रिया को पढ़ाई के लिए दिल्ली भेजा, तो उन्हें आर्थिक तंगी के साथ-साथ समाज के ताने भी झेलने पड़े। लोगों का कहना था कि इतनी दूर पढ़ाई के लिए भेजना ठीक नहीं है, लेकिन पिता संजय को अपनी बेटी पर पूरा भरोसा था। उनका विश्वास था कि उनकी बेटी एक दिन जरूर अफसर बनकर घर आएगी। मीडिया से बातचीत के दौरान प्रिया ने खुद इसकी जानकारी दी। प्रिया की इस कामयाबी पर उनका पूरा परिवार बहुत खुश है और गर्व महसूस कर रहा है।

हर्षिता गोयल ने पिता के सहयोग से मिली सफलता

महिलाओं के लिए कायम की मिसाल

यूपीएससी टॉपर हर्षिता गोयल के संघर्ष की कहानी

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2024 में रैंक-2 हासिल करने वाली हर्षिता गोयल का लक्ष्य महिलाओं के जीवन को बेहतर बनाना और स्लम्स में रहने वाले बच्चों के लिए काम करना है, ताकि उन्हें सरकारी सुविधाओं का लाभ मिल सके।

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने सिविल सेवा परीक्षा 2024 के परिणाम की घोषणा की है, जिसमें कुल 1,009 उम्मीदवारों को नियुक्ति के लिए चुना गया है। इस वर्ष की परीक्षा में हर्षिता गोयल ने अखिल भारतीय रैंक-2 हासिल कर शीर्ष स्थानों में अपनी जगह बनाई है। हर्षिता मूल रूप से हरियाणा की हैं, लेकिन कई वर्षों से गुजरात के वडोदरा में रह रही हैं। उन्होंने अपनी शिक्षा के दौरान चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) की डिग्री हासिल की है।

हर्षिता गोयल कहती हैं कि वह अपने परिवार से पहली महिला हैं जो सिविल सेवक बनने जा रही हैं। उन्हें अपने परिवार से काफी समर्थन मिला, खासकर उनके पिता से। वह बताती हैं कि उनकी मां अब उनके साथ नहीं हैं, लेकिन उनके पिता ने न सिर्फ उनका साथ दिया, बल्कि घर, छोटे भाई और दादा-दादी की भी देखभाल की। इसके साथ ही उनके दोस्तों का भी बड़ा योगदान रहा, जिन्होंने हर कदम पर उनका समर्थन किया।

महिलाओं को प्रेरित करने का सपना रखती हैं हर्षिता गोयल

हर्षिता गोयल का सपना हमेशा से ही सिविल सेवा में शामिल होने का था। उनका मानना है कि महिलाएं अपार ताकत से भरी होती हैं, जिसे वे पहचान नहीं पातीं। हर्षिता का लक्ष्य है कि वह महिलाओं के जीवन को सुधार सकें और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर सकें।

उनका कहना है कि महिलाएं अपने परिवार का नाम रौशन कर सकती हैं और अपने सपनों को पूरा कर सकती हैं। इसके अलावा, हर्षिता स्लम्स में रहने वाले बच्चों के लिए काम करने की इच्छा रखती हैं, ताकि वे सरकारी सुविधाओं का लाभ उठा सकें और उनका जीवन स्तर सुधर सके।

वह कहती हैं, 'मैं महिलाओं और उनके परिवार के मेल सदस्यों को प्रेरित करना चाहती हूं, ताकि वे एक-दूसरे को प्रोत्साहित करें और महिलाएं आगे आ सकें। उनका सपोर्ट सिस्टम बन सके। मेरे इस सफलता का कारण मेरे पिता हैं, जिन्होंने हमेशा मेरा साथ दिया।' उनका मानना है कि मजबूत सपोर्ट सिस्टम से महिलाएं अपने लक्ष्य को हासिल कर सकती हैं।

स्लम्स में बच्चों के जीवन को बेहतर बनाने का लक्ष्य

वह स्लम्स में रहने वाले बच्चों के लिए भी काम करना चाहती हैं। उनका मानना है कि इन बच्चों को सरकारी सुविधाओं का पूरा लाभ मिलना चाहिए, ताकि उनका जीवन स्तर सुधर सके। हर्षिता की यह सोच है कि स्लम्स के बच्चों को सही दिशा में मार्गदर्शन और उचित संसाधन मिलें, जिससे वे भी समाज में अपनी पहचान बना सकें और अपने भविष्य को बेहतर बना सकें।

कैसे की पढ़ाई ?

अपनी पढ़ाई के बारे में हर्षिता ने बताया कि उन्होंने सिविल सेवा परीक्षा की मेन्स के लिए टेस्ट सीरीज ली थी और इंटरव्यू की तैयारी के लिए कई क्लासेस अटेंड कीं। इसके अलावा, उन्होंने सेल्फ स्टडी और ग्रुप डिस्कशन को भी अपनी तैयारी का अहम हिस्सा बनाया। इन तरीकों से हर्षिता ने अपनी परीक्षा की तैयारी को और भी मजबूत किया और सफलता हासिल की।

गुरुओं की वाणी और शिक्षाएं सर्व समाज को दिखा रही दिशा: हरविन्द्र कल्याण

गजब हरियाणा न्यूज/अमित बंसल

घरौंडा । हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने आज हलके के गांव पीपलवाली में गुरुद्वारे का उद्घाटन किया और अरदास की। इस दौरान उन्होंने प्रदेश और अपने हल्के की सुख समृद्धि और तरक्की के लिए कामना की।

इस दौरान उन्होंने कहा कि सिख धर्म के सभी गुरुओं ने समय-समय पर जो शिक्षाएं दी हैं, वह सर्व समाज के लिए आदर्श हैं। हम सभी को उन शिक्षाओं को अपने जीवन में धारण करना चाहिए। आज समाज को अपने गुरुओं, अपने संत महापुरुषों के विचारों को आत्मसात करने की जरूरत है। इससे न केवल हमें एक सही दिशा मिलेगी बल्कि सर्व समाज का भला भी होगा।

इस दौरान गुरुद्वारा में अखंड पाठ का भी आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में लोगों ने लंगर ग्रहण किया। गुरुद्वारा की देखरेख का जिम्मा सिंह सभा को दिया गया है। इस मौके पर सिंह सभा के बलकार सिंह, जितेंद्र सिंह, निशान सिंह, कुलवीर सिंह, पहल सिंह, सूबा सिंह आदि मौजूद रहे।

राजस्थान के रविंद्र कुमार मेघवाल ने यूपीएससी में प्राप्त की 138 वीं रैंक

रविंद्र कुमार मेघवाल राजस्थान के एक होनहार युवा हैं, जिन्होंने यूपीएससी (संघ लोक सेवा आयोग) की परीक्षा में 138वां रैंक हासिल कर अपनी प्रतिभा और मेहनत का प्रमाण पेश किया है। उनके बारे में विस्तृत जानकारी इस प्रकार है=

व्यक्तिगत जानकारी

रविंद्र कुमार मेघवाल का जन्म राजस्थान राज्य में हुआ। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा स्थानीय विद्यालयों से प्राप्त की, जहां उनके शिक्षकों और परिवार ने शिक्षा को प्राथमिकता दी। उन्होंने आगे की पढ़ाई किसी प्रसिद्ध विश्वविद्यालय से की, जिसमें उन्होंने अपने विषय में गहन ज्ञान प्राप्त किया।

राजस्थान की विविधता और सांस्कृतिक धरोहर से भरे वातावरण ने रविंद्र के जीवन को प्रभावित किया। यहां की संसाधनविहीनता और शिक्षा तक पहुंच के विभिन्न पहलुओं ने उनकी सोच को विस्तृत किया, जिससे उन्होंने शिक्षा के महत्व को समझा और उसका पालन किया।

रविंद्र ने यूपीएससी की तैयारी के दौरान कठोर परिश्रम किया। यह परीक्षा न केवल कठिन होती है, बल्कि इसमें उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए समर्पण और अनुशासन की आवश्यकता होती है। उन्होंने विभिन्न विषयों में गहन अध्ययन किया, नोट्स बनाए और मॉक टेस्ट लिए ताकि सफलता सुनिश्चित हो सके।

सफलता का अनुभव 2023 में जब उन्होंने यूपीएससी परीक्षा में 138वां रैंक प्राप्त किया, तो यह उनके लिए और उनके परिवार के लिए गर्व का क्षण था। यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि मेहनत, साहस और समर्पण के साथ किसी भी चुनौती का सामना किया जा सकता है।

रविंद्र की योजना भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) का हिस्सा बनने की है, ताकि वे अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग कर देश और समाज की सेवा कर सकें। उनका उद्देश्य न केवल

व्यक्तिगत सफलता है, बल्कि समाज के उत्थान में योगदान देना भी है।

युवा छात्रों के लिए उनकी कहानी एक प्रेरणा है। उन्होंने यह साबित किया है कि कठिन मेहनत और सही रणनीति से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

रविंद्र कुमार मेघवाल की कहानी एक प्रेरक उदाहरण है कि यदि मन में इरादा हो और मेहनत की जाए तो कोई भी बाधा पार करना संभव है। राजस्थान जैसे राज्य से आए इस युवा ने यह साबित कर दिया है कि साधारण पृष्ठभूमि से भी उच्चतम शिखरों तक पहुँचा जा सकता है। उनकी सफलता न केवल उनके लिए, बल्कि पूरे राज्य और देश के लिए गर्व का विषय है।

अवैध नशीले पदार्थ का कारोबारी एनसीबी ने दबोचा, मुकदमा दर्ज

4.870 किलोग्राम अवैध नशीले पदार्थ चुरा पोस्त पकड़ा

आरोपी पंजाब का रहने वाला, तस्करी मे इस्तेमाल कैंटर सहित काबू

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र । हरियाणा प्रदेश को नशा मुक्त करने के हरियाणा सरकार के अभियान को साकार करने में हरियाणा एनसीबी लगातार सफलताएं पा रही है। इसी कड़ी में सफलता प्राप्त करते हुए ब्यूरो की कुरुक्षेत्र यूनिट ने जिले के इस्माईलाबाद थाना एरिया के क्लासिक फार्म इस्माईलाबाद के नजदीक से अवैध नशीले पदार्थ के कारोबार मे लिप्त एक नशा तस्कर को कैंटर सहित गिरफ्तार किया। विदित है कि ब्यूरो प्रमुख/महानिदेशक ओ.पी. सिंह के दिशा निर्देशों पर पुरे प्रदेश में नशा तस्करों के खिलाफ लगातार कार्यवाही की जा रही है।

विस्तृत जानकारी देते हुए हरियाणा एनसीबी कुरुक्षेत्र यूनिट के इंचार्ज उप निरीक्षक गुरनाम सिंह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक मोहित हांडा के नेतृत्व व उप पुलिस अधीक्षक जगबीर सिंह के निर्देशन में सहायक उप निरिक्षक सुरेन्द्र अपनी टीम के साथ थाना इस्माईलाबाद के एरिया मे अंबाला कैथल हाइवे पर मौजूद था। तभी गुप्त सूचना मिली कि एक नशा तस्कर जो अपने कैंटर मे अवैध नशीले पदार्थ की तस्करी करता है जो अपने कैंटर सहित अंबाला कैथल हाइवे इस्माईलाबाद में बाईपास पर बनी टायर पंक्चर की दुकान के पास खड़ा है। अगर पुलिस टीम द्वारा तुरन्त कार्यवाही की जाए तो आरोपी को अवैध नशीले पदार्थ चुरा पोस्त सहित काबू किए जा सकता है। इस सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने इस्माईलाबाद मे अंबाला कैथल हाइवै पर क्लासिक फार्म के पास से आरोपी को कैंटर सहित काबू किया। आरोपी की पहचान सुनील कुमार पुत्र मोहन लाल के रूप मे हुई। जो गाँव जौला कलाँ जिला मोहाली, पंजाब का रहने वाले है। राजपत्रित अधिकारी को मोके पर बुलाकर तलाशी ली गई तो आरोपी के

कैंटर से 4.870 किलोग्राम अवैध नशीला पदार्थ चुरा पोस्त बरामद हुआ। अतिरिक्त जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता ने बताया की नशे के व्यापार में शामिल अन्य आरोपियों को भी जल्द से जल्द गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा है।

आरोपी पर थाना इस्माईलाबाद, जिला कुरुक्षेत्र मे एन.डी.पी.एस. अधिनियम कि विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज आगामी कार्यवाही शुरू कर दी है। आगे आमजन से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि अगर आपको कहीं पर भी नशा बिकता हुआ दिखाई दे तो भारत सरकार के द्वारा चलाई जा रही नशें संबंधित टोल फ्री नंबर 1933, ऑनलाइन शिकायत पोर्टल एनसीबीएमएएनएस डॉट जीओवी डॉट इन और हरियाणा एनसीबी के टॉल फ्री न. 90508-91508 पर बेफिक्र होकर सूचना दें, ताकि नशा तस्करों को सलाखों के पीछे भेजा जा सके। आमजन के सहयोग और उनकी सूचना पर तुरंत प्रभाव से कार्रवाई की जाएगी। पुलिस प्रशासन द्वारा सूचना देने वाले का नाम व पता गुप्त रखा जाएगा।

राजकीय प्राथमिक विद्यालय थाना है आदर्श: डॉ. रणजीत फुलिया

गजब हरियाणा न्यूज/डॉ जरनैल रंगा

कुरुक्षेत्र। राजकीय प्राथमिक विद्यालय,थाना में एक अंग्रेजी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन शिक्षाविद् और समाजसेवी डॉ. रणजीत सिंह फुलिया द्वारा किया गया। डॉ. फुलिया ने छात्रों को अंग्रेजी की सामान्य शब्दावली बढ़ाने के तरीके बताए और शरीर के अंगों के नाम, अंग्रेजी व्याकरण के विभिन्न विषयों – थ्री पर्सन्स (Three Persons), संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया आदि पर विस्तृत चर्चा की। छात्रों ने संप्रेषण कला से संबंधित अनेक अभ्यासों में बड़ी रुचि से भाग लिया।

अंग्रेजी में अपना परिचय आदि पर भी विभिन्न अभ्यास करवाए गए जिनमें बहुत से छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

इस विद्यालय के मुख्य अध्यापक रमेश कुमार और शिक्षक राजेश ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

डॉ. रणजीत फुलिया पिछले कई वर्षों से इस विद्यालय के छात्रों को विशेषकर अंग्रेजी व्याकरण, अंग्रेजी बोलचाल, सामान्य ज्ञान और भूगोल आदि पर नि:शुल्क मार्गदर्शन देते रहे हैं।

डॉ. फुलिया ने बताया कि इस विद्यालय ने पर्यावरण संरक्षण, ढांचागत सुविधाओं और शैक्षणिक प्रगति में मिसाल कायम की है और यह एक आदर्श विद्यालय है। उन्होंने बताया कि यहां की छात्रा मन्नत बहुत बढ़िया प्रदर्शन करते हुए इस गांव और स्कूल का नाम रोशन कर रही है। उसने संप्रेषण कला की अनेक प्रतियोगी परीक्षाओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है और सोशल मीडिया पर अनेक छात्र उसके वीडियो देखकर प्रेरणा लेते हैं। हेड टीचर रमेश कुमार ने डॉ. रणजीत फुलिया का छात्रों को मार्गदर्शन देने हेतु आभार व्यक्त किया। उन्होंने छात्रों को प्रेरित किया कि वे भी डॉक्टर रणजीत से नि:शुल्क मार्गदर्शन और सहयोग लेकर मन्नत की तरह विभिन्न विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं।

हाल ही में इस विद्यालय की छात्रा मन्नत को रोहतक में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में कर्नल एम एस नेगी द्वारा सम्मानित हुई थी।

बडसीकरी कलां के ग्रामीण नारकीय जीवन जीने को मजबूर

काला पीलिया जैसी घातक बीमारियों के हो रहे शिकार

गजब हरियाणा न्यूज /ब्यूरो

कैथल । कलायत उपमंडल के गांव बडसीकरी कलां के ग्रामीण नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। गांव में करीब 15 सालों से जल घर में पानी नहीं आ रहा और गांववासी अशुद्ध पानी पीने को मजबूर हो रहे जिसके कारण काला पिलीया के शिकार हो गए हैं। समाजिक कार्यकर्ता गुरूदेव बडसीकरी,गुरमेज धानिया, कुलदीप धानिया व प्रवीण राठी ने बताया कि पिछले 15 सालों से पानी की समस्या बनी हुई है जिसके कारण गांव वालों को शुद्ध पानी नहीं मिल पाता। ग्रामीण अशुद्ध पानी पीने पर मजबूर हो रहे हैं और गांव का हर चौथा व्यक्ति काला पीलिया का शिकार हो रहा है। जिसके कारण गांव में घातक बिमारी बढ़ रही है प्रशासन को भी ग्रामीण अवगत करवा चुके हैं। लेकिन कोई ध्यान नहीं दे दिया जा रहा । समाजिक कार्यकर्ता गुरूदेव बडसीकरी ने बताया कि दो साल पहले पीने के पानी की समस्या उठाई गई थी प्रशासन द्वारा अनदेखी की गई जिसके कारण ज्यादातर युवा काला पीलिया जैसी घातक बिमारी के शिकार हो रहे हैं। गांववासी शुद्ध पानी व घातक बिमारियों के निदान और इसका समाधान करने की मांग कर रहे हैं।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ प्रेरणा लोकगीत.....

टेक : मां – बाबू का सिर ऊंचा राखिए ए लाड़ो प्यारी ।
सारी दुनिया त लड़ क हिफाजत करे थारी...

1.जब जन्म होया लाड़ो तेरा, घर म खुशी मनाई
सारे महोले म लाडू बांटे, मारे बेटी आई –2
परिवार न खुब लाड़ लड़ाया, बेटा बरगी मारी...

2.दादा दादी न खुब खिलाई जब छोटी थी मां जाई।
बेटा बराबर तूं मेरी बेटी जब स्कूल म पढ़ाई– 2
शिक्षा म अव्वल आ क मारा मान बढ़ा रही...

3.खेल कूद म करी तरक्की मेडल जीत क छोरी।
अफसर मणके आगे बढ़ री आसमान म जारी–2
बेटी मेरी नाम मेरा यूं दुनिया म चमकारी...

4.क्यूं बेटी न कोख म मराओ तेरा आगे त के खारी।
बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जन जन को समझाणी–2
गुरूदेव बडसीकरी हाथ जोड़ क अपील करे थारी....
भ्रुण हत्या बंद कर दो बेटी बचालो सारी...

साधु संत मानवता के कल्याण के लिए तप करते हैं: मानवी महाराज

जैन साध्वी मानवी जी महाराज का दीक्षा दिवस मनाया

गजब हरियाणा न्यूज/नरेंद्र धूमसी

करनाल । एस एस जैन सभा हनुमान गली द्वारा अक्षय तृतीया महोत्सव के अवसर पर साध्वी सोनाक्षी महाराज का तीसरा वार्षिक तप दिवस तथा मानवी महाराज का 23 वां दीक्षा दिवस एसएस जैन सभा हनुमान गली में 27 अप्रैल को मनाया गया। इस अवसर पर भगवान आदिनाथ के जीवन चरित्र की कथा सुनाई गई। यह कार्यक्रम साध्वी मानवी महाराज, सोनाक्षी महाराज और देवाक्षी महाराज के सानिध्य में द किया गया। इस अवसर पर समाज की तरफ से जैन साध्वियों को आदर की चादर भेंट की गई। जानकारी देते हुए नवीन जैन अशोक जैन और सतीश जैन ने बताया कि इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इस अवसर पर जैन साध्वी मानवी महाराज ने कहा कि साधु संत मानवता के कल्याण के लिए साधु तप करते हैं। उन्होंने कहा कि साधुओं को हमेशा मार्गदर्शक के रूप में देखा जाता हैं। उन्होंने कहा कि साधुओं के लिए तप महत्वपूर्ण होता हैं। इस अवसर पर महिला मंडल की सदस्यों ने भजन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर

अशोक जैन, सतीश जैन नवीन जैन, विनय कुमार जैन, बीरेश कुमार जैन अलश् कुमार जैन विनोद कुमार जैन निशा जैन,गौतम जैन रेनू जैन शिखा जैन जैन रमन जैन, आदि मौजूद थे।

बैंड-बाजे के साथ निकाली भगवान परशुराम की शोभायात्रा

गजब हरियाणा न्यूज

कुरुक्षेत्र । भगवान परशुराम सेवा समिति सेक्टर -7 के सौजन्य से भगवान परशुराम की शोभा यात्रा गाजे- बाजे के साथ निकाली गई। शोभा यात्रा निकालने से पहले पहलगाम कश्मीर मे हुए शहीदों को श्रृद्धांजलि दी गई। जिसमें सेक्टर -7 के सर्व समाज ने हिस्सा लिया और भगवान श्री परशुराम के जीवन से प्रेरणा ली कि हिंसा करना और हिंसा सहना दोनों पाप है। शोभा यात्रा सेक्टर -7 के शिव शक्ति मंदिर से निकाली गई। शंख गाड़ियाल बजाते हुए नारी शक्ति व समाज के साथ रथ यात्रा निकली। इस अवसर पर कार्यकारिणी के सदस्य अध्यक्ष जयप्रकाश शर्मा, वाई पी शर्मा, डॉ सुशील शर्मा, डॉ सुरेश शर्मा, रामदत्त शर्मा, ब्रह्मप्रकाश शर्मा, राजेश भारद्वाज, डॉ संजीव शर्मा, जयपाल शर्मा, डॉ ओमप्रकाश शर्मा व पंडित कुलदीप शर्मा, गुरुदत शर्मा आदि उपस्थित रहे।

प्रकाशक, सम्पादक व मुद्रक जरनैल सिंह द्वारा ढिंगरा प्रिंटिंग प्रैस, अग्रसैन चौंक, मोहन नगर, कुरुक्षेत्र से छपवाकर कार्यालय 'गजब हरियाणा' कोठी नं0 890 पी, सैक्टर-4, अर्बन इस्टेट कुरुक्षेत्र जिला कुरुक्षेत्र, हरियाणा से प्रकाशित व मुद्रक किया। सम्पादक जरनैल सिंह (91382-03233) Registration Namber : HAR/HIN/2018/77311